केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 68 मंगलवार 29 सितम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

यूपीआई भुगतान पर शुल्क लगाने का आधार बताए केन्द्र सरकार

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार से यह बताने को कहा है कि यूपीआई से भुगतान करने पर शुल्क लगाने का फैसला क्यों लिया गया और इसके आधार क्या हैं? शीर्ष अदालत में दाखिल केंद्र सरकार द्वारा 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान पर शुल्क (एमडीआर) लगाने के फैसले को चुनौती वाली याचिका पर केंद्र से यह जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने इस मामले में सरकार को हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया है। पीठ ने याचिका पर विचार करते हुए केंद्र सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और एनपीसीआई को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। हालांकि पीठ ने याचिकाकर्ता की केंद्र के फैसले पर रोक लगाने की मांग फिलहाल ठुकरा दी।

इससे पहले, सुनवाई की शुरुआत में, केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एन. वेंकटरमन ने पीठ से कहा कि यूपीआई से भुगतान पर ये शुल्क 15 अक्तूबर से लागू होंगे। उन्होंने कहा कि 96 फीसदी भुगतान पर यह शुल्क नहीं लगेगा और जरूरी सेवाओं के लिए शुल्क

की अधिकतम सीमा 5 रुपये तय की गई है। उन्होंने पीठ से कहा कि यह न तो टैक्स है और न ही फीस। इस पर सीजेआई ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल वेंकटरमन से कहा कि आप जो कह रहे हैं, हमें ये तथ्य हलफनामे में चाहिए। यह ज्यादातर एक तकनीकी मामला है। जस्टिस बागची ने भी सवाल किया कि क्या यह टैक्स है या शुल्क? यदि यह फीस नहीं है, तो इस वसूली का कार्यकारी आधार क्या है? इसमें कौन सी सर्विस दी जा रही है?

केंद्र की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एन. वेंकटरमन ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि यह कोई जबरदस्ती वसूली नहीं है और यूपीआई से भुगतान पर लगाने वाले शुल्क से भारत सरकार एक भी रुपया नहीं ले रही है। उन्होंने कहा कि यह पेमेंट एग्रीगेटर और बैंकों के बीच एक सेटलमेंट शुल्क है। उन्होंने शीर्ष अदालत को बताया कि जब बैंक इलेक्ट्रॉनिक ट्रांजैक्शन करते हैं तो उसमें लागत आती है और क्रेडिट/डेबिट कार्ड ट्रांजैक्शन पर शुल्क लगते हैं, जबकि यूपीआई पेमेंट को इन शुल्कों से छूट दी गई थी। केंद्र सरकार ने कहा कि भुगतान प्रणाली के इकोसिस्टम को ठीक से काम करते रहने के लिए यूपीआई पर ये शुल्क जरूरी हैं।

आयकर अधिनियम की धारा 269एसयू का उल्लेख किया, जिसके तहत तय टर्नओवर सीमा वाले व्यापारियों के लिए ग्राहकों को पेमेंट का इलेक्ट्रॉनिक तरीका उपलब्ध कराना जरूरी है।

आशुतोष कुमार कनौजिया का ग्राम विकास अधिकारी पद पर चयन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विकास खण्ड बनकटी क्षेत्र के पिपरा सुकाली गांव निवासी आशुतोष कुमार कनौजिया ने ग्राम विकास अधिकारी के पद पर चयनित होकर गांव और क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

आशुतोष कुमार कनौजिया, विजयशील कनौजिया के पुत्र हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार के साथ–साथ क्षेत्रीय लोगों में भी खुशी का माहौल है। आशुतोष कुमार कनौजिया को लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने ग्राम विकास अधिकारी पद का

नियुक्ति पत्र प्रदान किया। नियुक्ति पत्र मिलने के बाद परिजनों और शुभचिंतकों ने आशुतोष कुमार को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आशुतोष की सफलता पर केडी एजुकेशनल एकेडमी बाघनगर के डायरेक्टर धर्मेंद्र कुमार, धर्मात्मा प्रसाद उर्फ कोइल यादव, ग्राम प्रधान अरविंद दुबे, इंजीनियर काजू प्रसाद, इंजीनियर विकास नारायण, इंद्रजीत चौधरी एवं हरिबंश चौधरी समेत तमाम लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। ग्रामीणों ने कहा कि आशुतोष की सफलता गांव के अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणादायक है। उनकी मेहनत और सफलता से पिपरा सुकाली गांव में हर्ष का माहौल है।

ग्रामीण स्वास्थ्य सेवकों ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से ग्रामीण स्वास्थ्य सेवक वेलफेयर एसोसिएशन (उ.प्र.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रेम त्रिपाठी ने उत्तर प्रदेश सरकार के समक्ष ग्रामीण स्वास्थ्य सेवकों के प्रशिक्षण, पंजीकरण एवं उनकी भूमिका को व्यवस्थित किए जाने से संबंधित मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन दर्जा प्राप्त मंत्री महेश शुक्ल को सौंपा।

एसोसिएशन ने ज्ञापन में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवकों को "झोलाछाप डॉक्टर" कहकर अपमानित न किए जाने तथा उन्हें एक व्यवस्थित स्वास्थ्य सेवक के रूप में पहचान दिए जाने की मांग की है।

ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से राष्ट्रीय महासचिव डॉ सुनील चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष डॉ अनिल कुमार रंजन, क्षेत्रीय अध्यक्ष गोरखपुर परिक्षेत्र डॉ ध्रुव कुमार, मंडल अध्यक्ष बस्ती डॉ लाल जी आजाद जिला अध्यक्ष बस्ती डॉ नन्द किशोर चौहान, जिला महासचिव श्री मनीष तिवारी, जिला मंत्री श्री अखिलेश दूबे सहित तमाम ग्रामीण स्वास्थ्य सेवक शामिल रहे।

निधन पर शोक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विकास भवन के श्रम कार्यालय में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर सुभाष चंद्र विश्वकर्मा के आकस्मिक निधन पर विकास भवन कर्मचारी संघ द्वारा विकास भवन में शोक सभा आयोजित कर गहरा शोक प्रकट कर उनकी आत्मा की शांति हेतु 2 मिनट का मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई तथा ईश्वर से प्रार्थना किया गया शोकसभा में विकास भवन कर्मचारी संघ के अध्यक्ष राम अधार पाल, महामंत्री ओम प्रकाश, सहायक श्रम अधिकारी श्याम सुंदर शुक्ला,आदि शामिल रहे ।

नीट पीजी में आशीष का 3056वीं ऑल इंडिया रैंक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर पंचायत गनेशपुर क्षेत्र के ग्राम डेरवा निवासी आशीष कुमार निषाद ने नीट पीजी परीक्षा में सफलता हासिल कर परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

आशीष कुमार निषाद, अश्वनी कुमार निषाद एवं सुनीता निषाद के सुपुत्र हैं। उन्होंने नीट पीजी परीक्षा में 3056वीं ऑल इंडिया रैंक प्राप्त की है। इसके बाद उनका चयन एमबीबीएस के बाद आगे की पढ़ाई के लिए हुआ । आशीष ने एमबीबीएस की पढ़ाई लखनऊ स्थित राम मनोहर लोहिया मेडिकल कॉलेज से पूरी की थी। वर्तमान में वह गोंडा मेडिकल कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

आशीष की इस उपलब्धि पर उनके चाचा डॉ. अरविन्द निषाद जो राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ बस्ती के

जिलाध्यक्ष एवं बस्ती मण्डल के मण्डल अध्यक्ष हैं, और चाची डॉ. माया निषाद(होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी, राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय धर्मसिंहवा, संतकबीरनगर सहित परिवार के सदस्यों और शुभचिंतकों ने खुशी जताते हुए प्रसन्नता व्यक्त किया है। परिजनों ने कहा कि आशीष की मेहनत और लगन से यह सफलता मिली है, जिससे पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

मुख्य चुनाव आयुक्त के बर्खास्तगी की मांग को लेकर कांग्रेस ने फूंका ज्ञानेश कुमार का पुतला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की बर्खास्तगी की मांग को लेकर सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी के नेतृत्व में शास्त्री चौंक पर ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका। कहा कि जब तक ज्ञानेश कुमार त्याग पत्र नहीं देते कांग्रेस का लोकतंत्र को बचाने के लिये चरणबद्ध आन्दोलन जारी रहेगा। सोमवार को कांग्रेस पदाधिकारी शास्त्री चौक पर एकत्र हुये और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विरोध में प्रदर्शन करते हुये नारेबाजी किया।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंकने के बाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने कहा कि चुनाव आयोग सरकार के दबाव में काम कर रहा है। दो चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों की अनदेखी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर सवाल है। कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार वोट चोरी के मुद्दे को उठा रहे हैं और अब तो उनके आरोपों पर खुद दो चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों ने मुहर लगा दिया है। कहा कि कांग्रेस लोकतंत्र की रक्षा के लिये वोट चोरी बर्दाश्त नहीं करेगी।

–लोकतंत्र की रक्षा के लिये वोट चोरी बर्दाश्त नहीं करेगी कांग्रेस- विश्वनाथ चौधरी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता देवेन्द्र श्रीवास्तव, पूर्व जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू, जिला उपाध्यक्ष संदीप श्रीवास्तव, डा. वाहिद अली सिद्दीकी, डा. आलोक रंजन ने कहा कि चुनाव आयोग सरकार और सत्तारूढ़ दल के हाथों की कठपुतली की तरह काम कर रहा है। मुख्य चुनाव आयुक्त एक निष्पक्ष संवैधानिक संस्था के प्रमुख की भूमिका के बजाय सत्तारूढ़ दल के प्रवक्ता की तरह व्यवहार कर रहे हैं। यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था को निष्पक्ष होना चाहिए, लेकिन वह सरकार के इशारे पर काम कर रही है। मतदाता सूची लोकतंत्र की आत्मा है। अगर उसमें ही गड़बड़ी होगी तो चुनाव का क्या मतलब रह जाएगा। उन्होंने कहा कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले लगभग 10 महीनों में आयोग के विभिन्न कदमों एवं आदेशों पर 14 बार रिकॉर्ड पर आपत्ति दर्ज की है। यह कोई छोटी बात नहीं है।रिपोर्ट के अनुसार, इन आपत्तियों में मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने तथा आयोग के निर्णय लेने की प्रक्रिया से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। आयोग के भीतर दो चुनाव आयुक्त लगातार लिखित आपत्तियां दर्ज कर रहे हैं, लेकिन मुख्य चुनाव आयुक्त उनकी सुन नहीं रहे। कांग्रेस भाजपा के इशारे पर हो रही वोट चोरी के मुद्दे पर चुप नहीं बैठेगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की बर्खास्तगी की मांग को लेकर पुतला फूंकने वालों में मुख्य रूप से अनिल भारती, गिरिजेश पाल, डा. दीपेन्द्र सिंह, साधू शरन आर्य, राहुल चौधरी, अलीम अख्तर, मारूफ अली, अतीउल्ला सिद्दीकी, राकेशमणि त्रिपाठी, अमित सिंह, शौकत अली नन्हू, अनूप पाठक, लक्ष्मी यादव, सुनील पाण्डेय, नवीन कन्नौजिया, उमेश उपाध्याय, राम बचन भारती, अवधेश सिंह, ज्ञानदास, सुभाष चौधरी, डी.एन. शास्त्री, मंजू त्रिपाठी, वृजभान कन्नौजिया, उमेश उपाध्याय, जमील कादरी, रामधीरज चौधरी, सद्दाम हुसेन, संजीव त्रिपाठी, फिरोज खान, लालजी पहलवान, अवनीश पाण्डेय, दूधनाथ पटेल, शुभम गांधी के साथ ही कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

मुनीराम पटेल अध्यक्ष, मनोज कुमार मंत्री निर्वाचित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लाक इकाई सल्टौआ गोपालपुर का अधिवेशन और निर्वाचन ब्लाक सभागार में संपन्न हुआ। अधिवेशन के प्रथम चरण में शैक्षिकोन्नयन संगोष्ठी का आयोजन की गया।

मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी और विशिष्ठ अतिथि ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि दुष्यंत विक्रम सिंह उपस्थित रहे। अपने संबोधन में संजय चौधरी ने कहा कि आज के परिवेश में शिक्षा और शिक्षालय दोनों को उत्कृष्ट बनाये रखना शिक्षकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। दुष्यंत विक्रम सिंह ने कहा कि शिक्षा और शिक्षकों के विकास हेतु ऐसी गोष्ठियों का आयोजन होना चाहिए।

गोष्ठी को जिला संयोजक देवेंद्र कुमार वर्मा, इन्द्रसेन मिश्रा, महेश मास्टर, ,विजय प्रकाश चौधरी, प्रमोद पासवान, राम भरत वर्मा, आदि ने संबोधित किया।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में पर्यवेक्षक शोभाराम वर्मा व चुनाव अधिकारी रमेश चंद्र चौधरी की देखरेख में ब्लॉक स्तरीय निर्वाचन कार्य गया। सभी पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित

–प्राथमिक शिक्षक संघ सल्टौआ गोपालपुर के अधिवेशन में शैक्षणिक सुधार पर जोर

घोषित किये गयें।

अध्यक्ष पद पर मुनीराम पटेल' प्रभाकर' वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेन्द्र पटेल, मंत्री मनोज कुमार वरुण, कोषाध्यक्ष रमेश कुमार विश्वकर्मा, संयुक्त मंत्री पद पर रामकिशोर निर्वाचित हुए। इसी तरह उपाध्यक्ष पद पर कुलदीप नारायण, प्रभाकर शुक्ल, कन्हाई पटेल,सौरभ पद्माकर, श्रीमती अनुराधा चौधरी,मनोज कुमार वरुण संगठन मंत्री पद पर अजीत कुमार, दिनेश यादव, शिव चरण, प्रेस मंत्री, शशिकांत गौतम, विजय कुमार, राजमणि और कु0 सोनी एकाउंटेंट विस यादव और ऑडिटर शिवदास निर्वाचित हुए।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को जिला संयोजक देवेंद्र कुमार वर्मा ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर प्रताप नारायण चौधरी, रामपाल चौधरी, संदेश रंजन, अखिलेश श्रीवास्तव,चंद्रभान चौरसिया,विजय प्रकाश वर्मा,अजय प्रताप, गिरिजा शंकर, ज्ञानदास कन्नौजिया,त्रिलोकीनाथ,हरिमूर्ति वर्मा,विजय कन्नौजिया,सत्य प्रकाश पाठक, भारत राम सहित सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विजय प्रकाश चौधरी ने किया।

सपा के संविधान और आरक्षण बचाओ पी.डी.ए. जन पंचायत में निशाने पर रही भाजपा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को समाजवादी पार्टी महिलासभा जिलाध्यक्ष गीता भारती के संयोजन में महादेवा विधानसभा क्षेत्र के नगर बाजार स्थित मैरेज हाल में संविधान एवं आरक्षण बचाओ पी.डी.ए. जन पंचायत का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि समाजवादी बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाईलाल भारती ने कहा कि भाजपा सरकार में छात्र, नौजवान, किसान, बेरोजगारों और व्यापारियों को परेशान हैं। संविधान ही पीडीए के भविष्य का विधान है। देश संविधान से चलेगा। उन्होंने 'जय जवान, जय किसान, जय संविधान' का नारा दिया। कहा कि भाजपा की सरकार में दलितों पर सर्वाधिक जुल्म हो रहे हैं, उनकी आवाज को अनसुना किया जा रहा है। उन्होने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में दलित समाज के लोग सपा की सरकार बनाने के लिये पूरी ताकत झोंक देंगे।

-भाजपा की सरकार में दलितों पर सर्वाधिक जुल्म- मिठाईलाल
-बूथ स्तर की मजबूती से जीतेगी सपा- गीता भारती

समाजवादी पार्टी महिलासभा जिलाध्यक्ष गीता भारती ने कहा कि कहा कि 2027 का चुनाव बूथ स्तर की मजबूती से ही जीता जाएगा। कहा कि देश और प्रदेश में राजनीतिक माहौल तेजी से बदल रहा है और जनता परिवर्तन का मन बना चुकी है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि प्रदेश के प्राइमरी स्कूलों को बंद कर वहां शराब की दुकानें खोली जा रही हैं। उनका कहना था कि भाजपा नहीं चाहती कि पिछड़ों, दलितों और गरीबों के बच्चे पढ़ें, क्योंकि यदि वे पढ़ लिख लेंगे तो अपने हक अधिकार की बात करने लगेंगे और सरकार से सवाल करेंगे।

संविधान एवं आरक्षण बचाओ पी.डी.ए. जन पंचायत को मुख्य रूप से महादेवा विधानसभाध्यक्ष राजेन्द्र चौधरी, जमील अहमद, संजय गौतम आदि ने सम्बोधित करते हुये कहा कि भाजपा बाबा साहेब के संविधान को खत्म करना चाहती है और राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में भाजपा बुरी तरह फंसी हुई है। कहा कि जिस तरह से छात्रों और नौजवानों ने सरकार के खिलाफ बिगुल फूंका है, वही सत्ता परिवर्तन का कारण बनेगा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से निसार अहमद, इरशाद अहमद, रिन्टू यादव, कक्कू शुक्ल, गिरीश चन्द्र, ओम प्रकाश राव, जय प्रकाश राव, सन्तराम अम्बेडकर, द्वारिका चौधरी, सीमा सरगम, युसूफ अंसारी, रितीक कुमार, जोखूलाल, विजय लक्ष्मी, प्रिया श्रीवास्तव, राधा देवी, मो. हाशिम, जितेन्द्र यादव, लक्ष्मी गौतम, शिव बहादुर यादव, मो. आरिफ, रामजीत, जगपाल, रविन्द्र यादव, महेन्द्र यादव, विवेक यादव, जगपाल चौधरी के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और महादेवा विधानसभा क्षेत्र के लोग उपस्थित रहे।

शिक्षा मित्रों ने मुख्यमंत्री को भेजा 5 सूत्रीय ज्ञापन: विभागीय टेट में शामिल करने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार शुक्ल के नेतृत्व में शिक्षामित्रो ने 5 सूत्रीय मांग के साथ ही अन्य समस्याओं के समाधान को लेकर सोमवार को मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी के माध्यम से भेजा। संघ पदाधिकारियों ने शिक्षामित्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए सरकार से जल्द सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री को भेजे 5 सूत्रीय ज्ञापन में टेट परीक्षा उत्तीर्ण 60 हजार शिक्षा मित्रों को सुपर टेट में छूट देते हुये शिक्षक पद पर समायोजित करने, योग्यता, अनुभव को देखते हुये सेवा निवृत्ति की आयु 62 वर्ष किये जाने, मानदेय 12 माह दिये जाने, बेसिक स्कूलों में आयोजित होने वाली स्पेशल टेट परीक्षा में शिक्षा मित्रों को सम्मिलित करने, मृतक शिक्षा मित्रों के परिजनों को आर्थिक सहायता देकर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिलाये जाने, शिक्षा मित्रों को शासनादेश के अनुरूप मूल विद्यालय पर समायोजित एवं स्थानान्तरण किये जाने आदि की मांग शामिल है।

ज्ञापन देने के बाद संघ जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार शुक्ल ने कहा कि प्रदेश के करीब एक लाख 43 हजार शिक्षामित्र लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर संघर्षरत हैं। संगठन ने शिक्षामित्रों को सहायक अध्यापक पद

–टेट उत्तीर्ण शिक्षा मित्रों का समायोजन करे सरकार– वीरेन्द्र कुमार शुक्ल

पर समायोजित किए जाने, मानदेय में वृद्धि करने तथा अन्य लंबित समस्याओं के समाधान की मांग की है।

संघ के मण्डल अध्यक्ष प्रवीन श्रीवास्तव ने कहा कि शिक्षा मित्रों को नियमित न होने तक प्रतिमाह 40 हजार रुपये मानदेय दिया जाए और उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। साथ ही 62 वर्ष की आयु तक सेवा सुरक्षा प्रदान करने, महिला शिक्षामित्रों को उनके मूल विद्यालय में वापसी का अवसर देने और मृतक शिक्षामित्रों के परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराया जाय।

संघ के जिला संरक्षक संजय यादव, संगठन मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि शिक्षामित्र लंबे समय से शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में अपनी भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में उन्हें कई आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए सरकार से आग्रह है कि शिक्षामित्रों की समस्याओं पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर जल्द निर्णय लिया जाए।

ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से दिनेश उपाध्याय, असद जमाल, बाबूलाल, धनंजय सिंह, प्रदीप चौधरी, वृजेन्द्र यादव, शिवशंकर साहू के साथ ही संघ के अनेक पदाधिकारी, शिक्षा मित्र शामिल रहे।

शिक्षकों ने पदोन्नति, ब्रिज कोर्स की समस्या को लेकर सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। परिषदीय विद्यालयों में करीब एक दशक से पदोन्नति की राह देख रहे शिक्षकों का इंतजार अब लंबा होता जा रहा है। विद्यालयों में प्रधानाध्यापक और उच्च प्राथमिक स्तर पर शिक्षकों के पद रिक्त होने के बावजूद पदोन्नति प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है। इसको लेकर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने शासन से तत्काल पदोन्नति प्रक्रिया शुरू कराने की मांग उठाई है। संघ ने पदोन्नति के साथ ही 69000 शिक्षक भर्ती के शिक्षकों के ब्रिज कोर्स में 50 प्रतिशत अंक की अनिवार्यता को समाप्त करने की मांग भी उठाई है। इस संबंध में शिक्षकों ने जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा के नेतृत्व में सोमवार को मुख्यमंत्री और बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को सौंपा।

जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया लंबे समय से लंबित है। करीब दस वर्षों से पात्र शिक्षक पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। दूसरी ओर बड़ी संख्या में विद्यालयों में प्रधानाध्यापक और उच्च प्राथमिक स्तर के शिक्षकों के पद रिक्त हैं। इससे विद्यालयी व्यवस्था पर भी असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पदोन्नति न होने से शिक्षकों में निराशा है। संघ ने रिक्त पदों का विवरण लेकर पात्र शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने की मांग की है। विद्यालयों में प्रधानाध्यापक और उच्च प्राथमिक स्तर के पद रिक्त हैं, ऐसे में पात्र शिक्षकों की पदोन्नति कर इन पदों को भरा जाना चाहिए। शासन को इस मामले में शीघ्र निर्णय लेकर शिक्षकों को पदोन्नति का लाभ देना चाहिए। जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुधीर तिवारी और जिला उपाध्यक्ष रवीश कुमार मिश्र ने कहा कि 69000 शिक्षक भर्ती के तहत वर्ष 2020–22 में नियुक्त शिक्षकों को ब्रिज कोर्स के लिए विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कहा कि इन शिक्षकों के लिए निर्धारित छह माह का ब्रिज कोर्स समय से नहीं कराया गया। अब ब्रिज कोर्स के स्थान पर लिखित परीक्षा में 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करने की अनिवार्यता को लेकर शिक्षकों में असंतोष है। कहा कि नियुक्ति के समय ब्रिज कोर्स का प्रावधान था, जबकि न्यूनतम अंक के आधार पर परीक्षा उत्तीर्ण करने की शर्त का उल्लेख नहीं था। वर्षों से विद्यालयों में शिक्षण कार्य कर रहे शिक्षकों के लिए बाद में इस प्रकार की अनिवार्यता जोड़ने पर शिक्षकों को आपत्ति है। संघ ने मांग किया कि 50 प्रतिशत अंक की अनिवार्यता समाप्त कर शिक्षकों को निर्धारित छह माह का ब्रिज कोर्स ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन माध्यम से पूरा कराया जाए। साथ ही करीब दस वर्षों से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कर पात्र शिक्षकों को पदोन्नति का लाभ दिया जाए।

—पदोन्नति में देरी से शिक्षकों में निराशा—बालकृष्ण ओझा

ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से जिला संयुक्त मंत्री प्रवीण श्रीवास्तव और सुरेश गौंड, सनद पटेल, हरेन्द्र यादव, संजीव सिंह, उत्तम दूबे, संतोष पाण्डेय, वीरेन्द्र शुक्ल, बृजेश त्रिपाठी, वीरेन्द्र, रवि प्रकाश, विनय पाण्डेय, शिवराम यादव, लवकुश, विनय चौधरी, सुग्रीव कुमार, प्रशान्त प्रियदर्शी, बच्चाराम, सुशील गहलोत, संजय यादव, रविन्द्र कुमार, आदित्य कुमार, विजय प्रताप, बलजीत वर्मा, संजय गौतम, कृष्ण गोपाल, आलोक रंजन, शिवकुमार, राजमणि, खुर्शीद अहमद, अवनीश पाल, मो. अमीन, बाबू नंदन, राजकुमार, सरिता, प्रमोद यादव, सूर्यकांत, श्रवण कुमार, शैलेन्द्र, सौरभ, अजीत वर्मा, भागीरथी यादव, सन्तोष कुमार, रवि प्रकाश, नि राज, आशीष पाण्डेय, भृगुवंश मणि यादव, कार्तिकेय सिंह, पंकज, दिवाकर विक्रम सिंह, श्रवण कुमार, अरविंद यादव, दुर्गेश सिंह, हरिश्चन्द्र, मनोज कुमार, रमेश विश्वकर्मा, योगेंद्र प्रसाद, काली प्रसाद, अवनीश, राजमणि प्रदीप कुमार आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 29 सितम्बर 2026 मंगलवार

सम्पादकीय

अमेरिका– चीन सम्बन्ध

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की वाशिंगटन यात्रा ऊपर से देखने पर ठोस नतीजों के बजाय रस्म–अदायगी वाली ज्यादा लगी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चीन के नेता के स्वागत में पालक–पांवड़े बिछा दिए और खुद हवाई अड्डे पहुंचकर उनकी आगवानी की। इससे पहले, किसी अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा किसी विदेशी नेता को ऐसा सम्मान 1962 में दिया गया था, जब जॉन एफ. कैनेडी ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री हैरोल्ड मैकमिलन का स्वागत किया था। ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में एक शानदार राजकीय भोज का आयोजन भी किया। इस भोज में उन्होंने अमेरिका के तकनीक और कारोबार जगत की कुछ बड़ी हस्तियों को आमंत्रित किया। दिखावे से हटकर देखें, तो ट्रम्प और शी के बीच की बातचीत के ठोस नतीजे मामूली ही रहे। सबसे अहम बात यह रही कि दोनों नेता इस साल दो बार मिलेंगे – शेनझेन में अपेक शिखर सम्मेलन और मियामी में जी–20 शिखर सम्मेलन के दौरान। इस तरह एक साल में कुल चार बैठकें होंगी, क्योंकि ट्रम्प मई में बीजिंग का दौरा कर चुके हैं। दोनों पक्ष एक व्यापार एवं निवेश बोर्ड को चालू करने पर भी सहमत हुए। कोई नया व्यापार समझौता तो नहीं हुआ, लेकिन दोनों मुल्कों ने पिछले साल बुसान में तय हुए व्यापार युद्ध–विराम और 30 बिलियन अमेरिकी डॉलर के आपसी टैरिफ में कटौती के समझौते को दो और महीनों के लिए बढ़ा दिया है। चीन ने हर साल 17 बिलियन अमेरिकी डॉलर के कृषि उत्पाद खरीदने के अपने वादे को दोहराया, लेकिन नया प्रस्ताव देने से परहेज किया। अर्द्धचालक (सेमीकंडक्टर), दुर्लभ खनिज (रेयर अर्थ) और ताइवान को अमेरिकी हथियारों की बिक्री जैसे लंबे समय से लंबित मुद्दे फिलहाल टाल दिए गए लगते हैं। हालांकि, दोनों पक्षों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) पर एक नई बातचीत शुरू करने और किसी घटना की स्थिति में संपर्क के लिए एक चौनल खोलने का एलान किया। यह कदम बिना नियम–कानून वाली एआई के होड़ के नतीजों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच उठाया गया है।

शी की यात्रा के मामूली नतीजों की वजह से उस बड़े बदलाव को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए, जिसे अमेरिकी और चीनी के बीच की हालिया बातचीत ने उजागर किया है। दुनिया की दो सबसे बड़ी ताकतों के बीच निष्पक्षता, सम्मान और आपसी सहयोग पर आधारित 'रणनीतिक स्थिरता वाले रचनात्मक रिश्ते' को आगे बढ़ाने का समझौता एक नए संतुलन की ओर इशारा करता है। उनके रिश्ते निश्चित रूप से गंभीर संरचनात्मक चुनौतियों से घिरे हुए है और उनमें प्रतिद्वंद्विता बनी रहेगी। साथ ही, दोनों पक्ष एक ऐसी प्रतिद्वंद्विता सुनिश्चित करने के लिए उत्सुक दिखते हैं जो अधिक नियंत्रित, स्थिर और अनुमानित हो। इस क्षेत्र के देश बारीकी से देखेंगे कि यह "अमेरिका फर्स्ट" वाली वाशिंगटन की उस इच्छा को कैसे कम करता है, जिसके तहत वह अपने देश से दूर के इलाकों में चीन का मुकाबला करना चाहता है। नई दिल्ली को इस उभरते नए संतुलन पर सावधानीपूर्वक नजर रखने की जरूरत होगी। भारत के खिलाफ हालिया अमेरिकी टैरिफ की धमकियों ने उस नपे–तुले लहजे के बिल्कुल उलट स्थिति पैदा कर दी है, जिसके साथ वाशिंगटन बीजिंग के साथ बातचीत कर रहा था। लंबे समय से, भारतीय रणनीतिक सोच का एक हिस्सा इस धारणा पर आधारित रहा है कि इस क्षेत्र में अमेरिकी रणनीति भारत के साथ ऐसे रिश्ते पर केंद्रित है जो चीन के प्रभाव के खिलाफ एक मजबूत दीवार का काम करे। अब यह धारणा सवालों के घेरे में आती दिख रही है।

मणिपुर में हिंसा के प्रश्न

करीब तीन साल से ज्यादा गुजर जाने के बावजूद आज भी मणिपुर में जो हालात हैं, उससे यही लगता है कि या तो सरकार को समस्या के समाधान का कोई रास्ता नहीं सूझ रहा है या फिर स्थिति की जटिलता को लेकर शासन–प्रशासन उदासीन है। वरना इतने वक्त में सभी पक्षों को संवाद की मेज पर लाकर कोई सर्वमान्य हल निकालने के बजाय आखिर ऐसा क्यों है कि संकट का स्तर ज्यों का त्यों बना हुआ है।

आज भी अलग–अलग जातीय समुदाय कई जगहों पर एक दूसरे के खिलाफ खड़े हैं और आए दिन निर्दोष लोगों की जान जा रही है। स्थिति का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि सरकार को एक बार फिर से कुछ इलाकों को छोड़ कर मणिपुर को अशांत क्षेत्र घोषित करने की जरूरत पड़ गई। जाहिर है, राज्य में हिंसा पर काबू पाने में शुरुआती लापरवाही का सिरा अब भी कायम है और सरकार एक तरह से लाचार दिख रही है। क्या यह राज्य में कानून–व्यवस्था को संभाल पाने में सरकार की नाकामी का सबूत नहीं है?

गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने नगालैंड के कुछ जिलों के साथ–साथ मणिपुर में तेरह थाना क्षेत्रों को छोड़ कर समूचे राज्य को फिर से अशांत क्षेत्र घोषित कर दिया है। अब इन इलाकों में एक अक्तूबर के बाद अगले छह महीनों तक यह नियम लागू रहेगा। दूसरी ओर, मणिपुर के कामजोंग जिले में तांगखुल नगा समुदाय के चार लोगों के गोलियों से छलनी शव मिले। दरअसल, मणिपुर में हिंसा के एक जटिल दुश्चक्र में पहुंच जाने की वजह सरकार की वह अनदेखी है, जो सामान्य दिनों में की गई।

मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के सवाल पर उपजे विवाद ने कुकी–जो समुदाय के साथ टकराव का रूप ले लिया और मई 2023 में हिंसा की शुरुआत हुई। उससे पहले ही अगर सरकार ने जरूरी सजगता दिखाई होती, तो हालात यहां तक नहीं पहुंचते। आज भी न केवल कुकी–जो और मैतेई समुदायों के बीच हिंसक टकराव जारी है, बल्कि उस हिंसा का विस्तार अन्य समुदायों तक भी हो गया है। सवाल है कि अक्सर सब कुछ ठीक हो जाने का दावा करती केंद्र और राज्य सरकार के भीतर इस समस्या को खत्म करने और टकराव के मोर्चे पर खड़े अलग–अलग पक्षों के बीच संवाद कायम कर एक हल तक पहुंचने की इच्छाशक्ति क्यों नहीं दिखती!

चमत्कारों के बाजार में वैज्ञानिक चेतना की तलाश

– डॉ. प्रियंका सौरभ–

भारत की शक्ति उसकी आस्था में ही नहीं, उसकी ज्ञान–परंपरा में भी रही है। समस्या पूजा, प्रार्थना या धार्मिक विश्वास में नहीं, बल्कि तब पैदा होती है जब चमत्कार को प्रमाण और अंधविश्वास को विवेक का विकल्प बना दिया जाता है। ज्योतिष, हस्तरेखा, भविष्यवाणी, तंत्र–मंत्र अथवा चमत्कारों के दावों के पीछे समाज की असुरक्षा और अनिश्चितता भी काम करती है। ऐसे समय में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अर्थ धर्म–विरोध नहीं, बल्कि प्रश्न पूछने और प्रमाण खोजने की आदत विकसित करना है। बच्चों को केवल उत्तर याद कराने के बजाय सवाल करना सिखाना होगा। मंदिरों के साथ प्रयोगशालाएँ, आस्था के साथ विवेक और परंपरा के साथ वैज्ञानिक चेतना ही आधुनिक भारत की वास्तविक आवश्यकता है।

आज के भारत में एक दिलचस्प विरोधाभास दिखाई देता है। एक ओर देश अंतरिक्ष अनुसंधान, डिजिटल तकनीक, चिकित्सा, जैव–प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है, दूसरी ओर समाज के अनेक हिस्सों में चमत्कार, भविष्यवाणी, ज्योतिष, हस्तरेखा, तंत्र–मंत्र और तथाकथित दैवीय शक्तियों के दावों का आकर्षण बना हुआ है। समय–समय पर नए धार्मिक स्थल, आध्यात्मिक केंद्र और लोकप्रिय संत चर्चा में आते हैं। कोई धाम श्रद्धा का केंद्र बनता है तो किसी कथावाचक या संत के अनुयायियों की संख्या तेजी से बढ़ती है। यह केवल धर्म का विषय नहीं, बल्कि समाज की मनोवैज्ञानिक और बौद्धिक प्रवृत्तियों को समझने का विषय भी है।

व्यंग्य में कहा जा सकता है कि हमारे यहाँ समय–समय पर नए–नए 'भगवान' लोकप्रिय हो जाते हैं। लेकिन इस व्यंग्य के पीछे एक गंभीर सवाल छिपा है कि आखिर लोगों को चमत्कारों और अलौकिक दावों में इतना आकर्षण क्यों दिखाई देता है?

मनुष्य स्वभाव से जिज्ञासु होने के साथ–साथ अनिश्चितताओं से भयभीत भी होता है। बीमारी, बेरोजगारी, विवाह, संतान, परीक्षा, नौकरी, आर्थिक संकट और भविष्य की चिंता उसे ऐसे उत्तरों की तलाश में ले जाती है जो तत्काल आश्वासन दे सकें। विज्ञान कई बार किसी समस्या का उत्तर खोजने में समय लेता है। इसके विपरीत कोई व्यक्ति यदि कुछ मिनटों में भविष्य बताने, बीमारी का कारण समझाने या समस्या के समाधान का दावा कर दे, तो संकट में घिरा व्यक्ति उसकी ओर आकर्षित हो सकता है। यही वह मनोवैज्ञानिक जमीन है, जहाँ अंधविश्वास का बाजार तैयार होता है।

भारत में हाथ की रेखा देखकर भविष्य बताने वाले, विवाह और करियर की भविष्यवाणी करने वाले, ग्रह–दशा के आधार पर जीवन की दिशा तय करने वाले और चमत्कारों के दावे करने वाले अनेक लोग लोकप्रिय होते रहे हैं। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और व्यापक बना दिया है। पहले किसी दावे को सीमित क्षेत्र के लोग सुनते थेय अब एक वीडियो कुछ ही घंटों में लाखों लोगों तक पहुँच सकता है। दृश्य प्रभाव, भावनात्मक भाषा और व्यक्तिगत अनुभवों की कहानियाँ किसी दावे को प्रमाण जैसा बना सकती हैं, जबकि व्यक्तिगत अनुभव वैज्ञानिक प्रमाण के समान नहीं होता।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अर्थ यह नहीं कि व्यक्ति पूजा न करे, मंदिर न जाए या अपनी धार्मिक मान्यताओं को छोड़ दे। आस्था निजी जीवन का विषय है और प्रत्येक व्यक्ति को अपने विश्वास का अधिकार है। लेकिन किसी प्राकृतिक घटना, बीमारी, उपचार या चमत्कार संबंधी दावे को केवल श्रद्धा के आधार पर सत्य मान लेना वैज्ञानिक दृष्टिकोण नहीं है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण कहता है कृप्रश्न पूछिए, प्रमाण देखिए, परीक्षण कीजिए और यदि प्रमाण बदलें तो अपनी धारणा बदलने के लिए भी तैयार रहिए।

भारतीय ज्ञान–परंपरा स्वयं प्रश्न और जिज्ञासा से भरी रही है। आर्यभट से लेकर आधुनिक भारतीय वैज्ञानिकों तक हमारी परंपरा ने गणित, खगोल विज्ञान, भौतिकी, चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज भी भारतीय वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ विश्वभर में अपनी क्षमता का परिचय दे रहे हैं। इसलिए यह कहना उचित नहीं होगा कि भारत वैज्ञानिक सोच से अपरिचित देश है। असली चुनौती यह है कि वैज्ञानिक चेतना समाज के अंतिम व्यक्ति तक कितनी गहराई से पहुँच रही है।

दुनिया के तकनीकी विकास को देखें तो जीपीएस, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, यूट्यूब, फेसबुक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी तकनीकों के पीछे वर्षों का शोध, प्रयोग, निवेश और असफलताओं से सीखने की प्रक्रिया रही है। इनका निर्माण किसी चमत्कार के दावे से नहीं, बल्कि समस्या को पहचानने, सवाल पूछने, प्रयोग करने और समाधान विकसित करने से हुआ। भारत में भी ऐसी प्रतिभा मौजूद है। प्रश्न यह है कि हम उस प्रतिभा को किस दिशा में प्रेरित कर रहे हैं?

हमारे विद्यालयों की भूमिका यहाँ सबसे महत्वपूर्ण है। यदि बच्चे को हर प्रश्न का उत्तर केवल परंपरा के हवाले से दिया जाएगा, तो उसकी जिज्ञासा सीमित हो सकती है। यदि उसे कहा जाएगा कि प्रश्न पूछो, प्रमाण खोजो और स्वयं जाँचो, तो वही बच्चा भविष्य में शोधकर्ता, वैज्ञानिक, चिकित्सक, इंजीनियर या नवाचारी उद्यमी बन सकता है।

वैज्ञानिक चेतना विकसित करने के लिए परिवार, विद्यालय, मीडिया और सामाजिक संस्थाओंकृसभी को अपनी भूमिका समझनी होगी। मीडिया को चमत्कार के दावों को सनसनी के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय उनके तथ्यात्मक पक्ष की जाँच करनी चाहिए। विद्यालयों में प्रयोग आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए। परिवारों में बच्चों के प्रश्नों को दबाने के बजाय उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए। सोशल मीडिया पर किसी वीडियो को देखकर तुरंत विश्वास करने के बजाय उसके स्रोत और प्रमाण की पड़ताल करने की आदत विकसित करनी होगी।

यह भी समझना होगा कि अंधविश्वास केवल धार्मिक क्षेत्र तक सीमित नहीं है। अफवाहों पर विश्वास, बिना प्रमाण किसी व्यक्ति को विशेषज्ञ मान लेना, सोशल मीडिया की हर जानकारी को सत्य समझ लेना और बिना वैज्ञानिक आधार के स्वास्थ्य संबंधी दावों पर भरोसा करना भी उसी समस्या के अलग–अलग रूप हैं। भारत को किसी की आस्था छीनने की आवश्यकता नहीं है। आवश्यकता है विवेक को मजबूत करने की। हमें ऐसा समाज चाहिए जहाँ मंदिर हों तो प्रयोगशालाएँ भी हों, प्रार्थना हो तो शोध भी हो, परंपरा हो तो प्रश्न भी हों और विश्वास हो तो प्रमाण का सम्मान भी हो।

आने वाली पीढ़ी के सामने हमारा सबसे बड़ा लक्ष्य किसी नए चमत्कार की खोज नहीं, बल्कि नए प्रश्नों की खोज होना चाहिए। ऐसा भारत, जहाँ बच्चे यह न पूछें कि "चमत्कार कैसे हो गया?", बल्कि यह पूछने का साहस रखें "इस दावे का प्रमाण क्या है?"

किसी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति केवल उसके धार्मिक स्थलों की संख्या से नहीं, बल्कि उसके विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, पुस्तकालयों, प्रयोगशालाओं, शोध संस्थानों और नवाचार केंद्रों से भी दिखाई देती है।

आस्था रहे, लेकिन विवेक के साथ।

विश्वास रहे, लेकिन प्रश्नों के लिए जगह के साथ।

परंपरा रहे, लेकिन वैज्ञानिक चेतना के साथ।

क्योंकि राष्ट्र का भविष्य चमत्कारों से नहीं, ज्ञान, तर्क, शोध और मानवीय विवेक से निर्मित होता है।

देश में सिद्ध सन्तों की कमी नहीं

–विनीत नारायण–

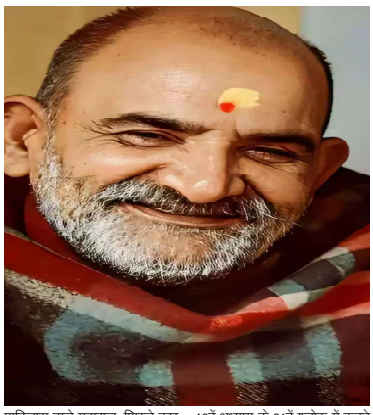

बाबा नीब करौरी के जीवन के पूर्वार्द्ध पर बनी फिल्म 'हनुमान अंश' ने देश–विदेश के सनातनधर्मियों के हृदय को स्पर्श किया है। पिछले हफ्ते जब थिएटर में मैं ये फिल्म देख रहा था, तो अपनी भावनाओं को रोक नहीं पाया और आंखें कई बार छलछला गईं। कारण यह कि नीब करौरी बाबा का तो नहीं, पर उन जैसे कुछ संतों का सान्निध्य पिछले 28 वर्षों में मुझे निरंतर प्राप्त हुआ है। इन संतों की सहजता, दरिद्र नारायण के प्रति करुणा और अमीर–गरीब के बीच कोई फर्क न करने की प्रवृत्ति ने मुझे बहुत प्रभावित किया।

1998 में जब बरसाना के विरक्त संत श्री रमेश बाबा से मिला तो वह मानगढ़ की पहाड़ी पर एक खण्डहर–नुमा कमरे में रहते थे, जिसमें जून की गर्म दोपहरी में आते गर्म हवा के थपेड़ों को रोकने के लिए खिड़कियों पर फटी बोरियों को भिगो कर टांगा हुआ था। जब बाबा ने मुझे ब्रज की सांस्कृतिक धरोहरों को सजाने–संवारने का आदेश दिया तो उन्होंने यह भी कहा कि, "भगवान दीनबंधु दीनानाथ हैं, धनीबंधु वी.आई.पी. नाथ नहीं। पहले फकीर बनो, तब ब्रज की सेवा करना।" बाबा के सान्निध्य में 2002–05 के बीच मैंने भी ऐसा जीवन जीने का प्रयास किया। बोरी बिछा कर सोना, भिक्षा मांग कर रोटी खाना और बेहद साधारण कपड़े पहनना। पर इतना ही काफी नहीं था। अपने स्वभाव में दीनता लाने का भी अभ्यास करना था। इस तरह बाबा ने अनेक प्रकार से ब्रज सेवा के लिए प्रशिक्षित किया।

इसी तरह बरसाना की पीली पोखर पर रहने वाले विरक्त संत विनोद बाबा भी हैं। जिनके तप, सादगी, करुणा और हृदय की विशालता को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। मेरी मित्र मीरा बोरवांकर, जो महाराष्ट्र की चच्चत पुलिस अधिकारी रहीं और जिसके जीवन पर बॉलीवुड की फिल्म 'मर्दानी' बनी, वह विनोद बाबा के दर्शन को तैयार नहीं थी। पर मैं उसे ले गया। बाबा को देखते ही वह ऐसी स्तब्ध हुई कि वहां उनके सामने घंटों बैठने की इच्छा व्यक्त करने लगी। जिस तरह बादल रात में चुपचाप किसान के खेत पर वर्षा करके चले जाते हैं, वैसे ही संत भी हमारे जीवन में अपनी कृपा की वृष्टि अनायास ही करते रहते हैं। गोवर्धन के सियाराम बाबा, वृंदावन के कृपालिवास वाले महाराज, पिछले कुछ वर्षों में प्रेमानंद जी महाराज और केरल की संत माता अमृतानंदमयी 'अम्मा' के सान्निध्य में मुझे ऐसे ही अनेक अनुभव हुए हैं। सच्चे संत हमारी पात्रता को नहीं देखते, वे तो अहैतुक कृपा करते हैं। नीब करौरी बाबा का जीवन भी ऐसा ही था। उन्होंने आडंबर और वैभव रहित सादगी भरा जीवन आम जनमानस के लिए समर्पित किया था। उनके क्रियाकलाप ये सिद्ध करने के लिए काफी हैं कि संत को आपके पद, धन, रुतबे और हैसियत से कुछ लेना–देना नहीं होता। दुर्भाग्य की बात यह है कि आज देश में सनातन धर्म के नाम पर शोर मचाने वाले ऐसे हजारों धर्मध्वजी, आत्मघोषित 'संत', गुरु, कथावाचक आदि सोशल मीडिया और समाज में छा गए हैं, जिनका आचरण दूर–दूर तक संतों जैसा नहीं है।

आम जनता अपने जीवन के कष्टों से मुक्ति पाने के लिए धर्म की शरण लेती है। पर उन्हें मिलता है 'ऊंची दुकान और फीका पकवान'। पिछले 30 वर्षों में मैंने इस कॉलम में कई बार लिखा है कि जिसके सम्मुख बैठ कर आपकी भौतिक कामनाएं समाप्त हो जाएं और आध्यात्मिक जिज्ञासा का वेग प्रबल हो जाए, वही सच्चा संत है। बाकी तो सब धार्मिक मनोरंजन है। हमें भगवान या सच्चे संत से कुछ कह कर मांगना नहीं होता। नीब करौरी बाबा की तरह वे स्वयं ही जान लेते हैं कि हमें क्या चाहिए या हमारा भला किसमें है। भगवान श्री कृष्ण भगवद्गीता के 18वें अध्याय के 61वें श्लोक में कहते हैं कि, 'ईश्वरस्‍य सर्वभूतानां हृद्देशेऽर्जुन तिष्ठति। भ्रामयन्सर्वभूतानि यन्त्रारूढानि मायया ॥' अर्थात् हे अर्जुन! ईश्वर सभी प्राणियों के हृदय में निवास करते हैं। तो उनसे कुछ बोल कर मांगने की क्या जरूरत है?

देश के कोने–कोने में ऐसे सच्चे संतों की कमी नहीं, जो हमें तत्वज्ञान भी करा सकते हैं और हमारी व्यग्रता को भी शांत कर सकते हैं। ऐसे संतों को हमसे धन, संसाधन की अपेक्षा नहीं होती। उन्हें जबरन शिष्य बनाने की इच्छा भी नहीं होती। ऐसे संत तो हमारे लाख बार नाक रगडने के बाद भी हमारी पात्रता को देख कर ही अपना शिष्य स्वीकार करते हैं। लगभग 500 वर्ष पूर्व महाप्रभु वल्लभाचार्य जी ब्रज चौरासी कोस यात्रा के दौरान एक जंगल में पड़े विशालकाय अजगर को देख कर ठिठक गए। उस अजगर को हजारों चींटियां खा रही थीं। वह दर्द से छटपटा रहा था। महाप्रभु ने वहीं ठहर कर श्रीमद् भगवद् के 108 पाठ करने का निर्णय किया। उनके अचंभित शिष्यों ने इसका कारण पूछा। महाप्रभु ने कहा कि यह अजगर पिछले जन्म में आत्मघोषित गुरु था। इसने हजारों लोगों को दीक्षा देकर अपना शिष्य बनाया। पर न तो वह अपना उद्धार कर सका और न ही अपने हजारों शिष्यों का। वही शिष्य इस जन्म में ये हजारों चींटियां बन कर उसका शरीर खा रही हैं। इसलिए कहा जाता है, 'पानी पीजिए छान कर, गुरु कीजिए जान कर'।

तकनीक, वैश्वीकरण और डिजिटल चेतना

–पवन शुक्ला–

मानव इतिहास के इस आधुनिक दौर में तकनीक,वैश्वीकरण और डिजिटल चेतना तीन ऐसी विशाल शक्तियाँ बनकर उभरी हैं, जिन्होंने हमारी पूरी जीवन–शैली, चिंतन–प्रक्रिया और सामाजिक ताने–बाने को नया रूप दे दिया है। तकनीक जहाँ प्रगति का मूल इंजन बनी है, वहीं वैश्वीकरण ने भौगोलिक सीमाओं को तोड़कर दुनिया को एक साझा बाजार और मंच प्रदान किया है। इन दोनों के समागम से जो तीसरी और सबसे सूक्ष्म शक्ति जन्म लेती है, वह है 'डिजिटल चेतना'। यह केवल गैजेट्स या इंटरनेट का उपयोग भर नहीं है,बल्कि मानव मन का डिजिटल तंत्र से एकीकरण है,जो हमारे सोचने, समझने और आपस में जुड़ने के तरीके को बदल रहा है।

इतिहास पर दृष्टि डालें तो औद्योगिक क्रांति ने जहाँ शारीरिक श्रम को गति दी थी, वहीं इक्कीसवीं सदी की डिजिटल क्रांति ने बौद्धिक क्षमताओं का विस्तार कर दिया है। कंप्यूटर, इंटरनेट और अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) जैसी तकनीकों ने ज्ञान और सूचना के प्रसार की गति को असीम बना दिया है।तकनीक अब केवल एक साधन या उपकरण मात्र नहीं रह गई है, बल्कि यह मानव जीवन के हर पहलूकृशिक्षा, स्वास्थ्य,शासन और व्यापार में एक बुनियादी आवश्यकता बन चुकी है।

वैश्वीकरण इस तकनीकी विकास का सबसे बड़ा संवाहक और लाभार्थी रहा है।सूचना प्रौद्योगिकी के बिना आधुनिक वैश्वीकरण की कल्पना भी संभव नहीं थी। फाइबर ऑप्टिक केबल्स,सैटेलाइट कम्युनिकेशंस और क्लाउड डेटा केंद्रों ने दुनिया को वास्तव में एक 'वैश्विक गांव' (ग्लोबल विलेज) में बदल दिया है। एक समय जो व्यापार या विचार सीमाओं के कारण किसी एक देश तक सीमित रह जाते थे,आज वे कुछ ही मिलीसेकंड्स में पूरी दुनिया में प्रवाहित होते हैं।

मानसिक परामर्श लें

इसी डिजिटल और वैश्विक वातावरण के गर्भ से 'डिजिटल चेतना' का उदय होता है। यह मानव मस्तिष्क और डिजिटल दुनिया का एक ऐसा मिला–जुला रूप है,जहाँ हमारी दिनचर्या, निर्णय और आत्म–अभिव्यक्ति लगातार वर्चुअल स्पेस से संचालित होती है। स्मार्टफोन और इंटरनेट केवल हमारी जेब में मौजूद उपकरण नहीं हैंय वे हमारी यादादाश्त,संचार और यहाँ तक कि हमारी भावनाओं के विस्तार केंद्र बन चुके हैं। हम अब केवल भौतिक दुनिया के नागरिक नहीं, बल्कि डिजिटल दुनिया के भी सहभागी हैं।

डिजिटल चेतना ने समाज में ज्ञान के लोकतंत्रीकरण को जन्म दिया है। पहले जहाँ सूचना पर कुछ चुनिंदा संस्थानों का एकाधिकार होता था,वहीं आज कोई भी व्यक्ति इंटरनेट के माध्यम से दुनिया भर के पुस्तकालयों,अनुसंधानों और विचारों तक पहुँच सकता है। शिक्षा ऑनलाइन माध्यमों से सुलभ हुई है और दूरदराज के क्षेत्रों के छात्र भी विश्वस्तरीय पाठ्यक्रमों से जुड़ रहे हैं। इसने व्यक्तिगत चेतना को एक वैश्विक चेतना में बदलने का काम किया है।

वैश्वीकरण के इस दौर में अर्थशास्त्र का ढांचा पूरी तरह बदल गया है। ई–कॉमर्स, फिनटेक, ब्लॉकचेन और डिजिटल मुद्रा (क्रिप्टो/सीबीडीसी) ने वैश्विक बाजार को पूरी तरह से एकीकृत कर दिया है। छोटे–छोटे स्टार्टअप्स और स्थानीय कलाकार भी बिना किसी मध्यस्थ के अपनी सेवाओं और उत्पादों को वैश्विक स्तर पर बेच पा रहे हैं। काम करने की संस्कृति भी बदली है। 'वर्क फ्रॉम होम' और 'रिमोट वर्किंग' ने भौगोलिक बाधाओं को समाप्त कर एक नई वैश्विक कार्य–संस्कृति को जन्म दिया है।

हालांकि, तकनीक और वैश्वीकरण के इस अभूतपूर्व संगम के साथ कुछ गंभीर चुनौतियाँ भी उत्पन्न हुई हैं। इनमें से सबसे प्रमुख है डिजिटल विभाजन।आज भी दुनिया की एक बड़ी आबादी आधुनिक डिजिटल बुनियादी ढांचे से वंचित है। इससे उन लोगों के पिछड़ने का जोखिम बढ़ जाता है जिनके पास तकनीक तक पहुँच नहीं है,जिससे आर्थिक और सामाजिक असमानता और गहरी हो सकती है।

डिजिटल चेतना के विकास का एक दूसरा चिंताजनक पहलू मानवीय रिश्तों और मानसिक स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव है। स्क्रीन टाइम में हो रही अत्यधिक वृद्धि और सोशल मीडिया पर निरंतर उपस्थिति ने इंसानों के बीच की वास्तविक, आमने–सामने की संवेदनाओं को कम कर दिया है। अकेलापन, अवसाद और FOMO (छूट जाने का डर) जैसी नई मनोवैज्ञानिक समस्याएँ इस डिजिटल चेतना के दुष्प्रभाव के रूप में सामने आ रही हैं। हम दूर के लोगों से तो जुड़ रहे हैं, लेकिन पास बैठे अपनों से कटते जा रहे हैं।

निजता और डेटा सुरक्षा का मुद्दा भी इस दौर की एक बड़ी चुनौती है। जब हमारी चेतना और आदतें डिजिटल स्पेस में दर्ज होती हैं, तो व्यक्तिगत डेटा केवल जानकारी नहीं रह जाता, बल्कि एक मूल्यवान संसाधन बन जाता है। वैश्विक टेक कंपनियाँ और एल्गोरिदम हमारे प्राथमिक डेटा के आधार पर हमारी प्राथमिकताओं, विचारों और यहाँ तक कि राजनीतिक प्राथमिकताओं को भी प्रभावित करने की क्षमता रखती हैं। यह स्थिति मानवीय इच्छाशक्ति और स्वतंत्रता पर प्रश्नचिह्न लगाती है।

सांस्कृतिक दृष्टिकोण से, वैश्वीकरण और डिजिटल मीडिया जहाँ दुनिया भर की संस्कृतियों का आदान–प्रदान कर रहे हैं, वहीं एक 'सांस्कृतिक समरूपता' का खतरा भी मंडरा रहा है। स्थानीय भाषाएँ, लोक–परंपराएँ और अद्वितीय सांस्कृतिक पहचानें वैश्विक इंटरनेट संस्कृति के दबाव में धीरे–धीरे लुप्त होने के कगार पर हैं। इंटरनेट पर हावी भाषाओं और जीवन–शैलियों के कारण कई पारंपरिक ज्ञान–प्रणालियाँ हाशिए पर चली गई हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के इस वर्तमान दौर में डिजिटल चेतना एक नए पड़ाव पर पहुँच चुकी है। अब मशीनें केवल आदेशों का पालन नहीं कर रहीं, बल्कि डेटा के आधार पर सीखने, सोचने और रचना करने का प्रयास भी कर रही हैं। यह मानव चेतना और मशीन बुद्धिमत्ता के बीच की रेखा को धुंधला कर रहा है। स्वचालित प्रणालियों और रोबोटिक्स के कारण रोजगार के पारंपरिक स्वरूप बदल रहे हैं, जिससे नई तकनीकों को सीखने और खुद को लगातार अपग्रेड करने का दबाव बना हुआ है।इन तमाम चुनौतियों के बावजूद, तकनीक और वैश्वीकरण को न तो खारिज किया जा सकता है और न ही इसकी गति को रोका जा सकता है।

कैदी की मौत के बाद गोंडा में सड़क पर शव, परिजनों ने जेल में जहरीला खाना देने का लगाया आरोप

संवाददाता–गोंडा। मंडलीय कारागार में बंद कैदी राम गणेश पाल की लखनऊ केजीएमयू में इलाज के दौरान रविवार को मौत हो गई। करीब 10 दिन तक इलाज चलने के बाद मौत की खबर सोमवार सुबह शव घर पहुंचने पर परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। परिजनों ने दुबहा बाजार के दानववीर चौराहे पर शव सड़क पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। करीब एक घंटे से चल रहे प्रदर्शन के कारण नरायनपुर जाने वाला मार्ग पूरी तरह बंद हो गया। बड़ी संख्या में महिलाएं और ग्रामीण सड़क पर बैठकर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। सूचना मिलते ही कोड़िया थाना प्रभारी शशि कुमार राणा भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन प्रदर्शनकारी वरिष्ठ अधिकारी को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे।

कोड़िया थाना पुलिस के मुताबिक राम गणेश पाल पिछले करीब तीन महीने से गोंडा मंडलीय कारागार में बंद था। उसे कोड़िया पुलिस ने जेल भेजा था। जेल में तबीयत बिगड़ने के बाद उसे इलाज के लिए लखनऊ केजीएमयू ले जाया गया था, जहां करीब 10 दिन बाद रविवार को उसकी मौत हो गई। सोमवार सुबह करीब 10 बजे शव घर पहुंचा तो परिजनों और ग्रामीणों ने आक्रोश जताना शुरू कर दिया। इसके बाद शव को दानववीर चौराहे पर सड़क पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया गया। प्रदर्शन कर रहे परिजनों ने गोंडा जिला जेल प्रशासन और चिकित्सकों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि जेल में राम गणेश को खाने में जहरीला पदार्थ दिया गया, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि राम गणेश का बिना सहमति के दो बार ऑपरेशन किया गया। इन आरोपों को लेकर परिवार के लोग निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि फिलहाल नहीं हुई है। राम गणेश का शव सड़क पर रखे जाने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। महिलाओं ने भी सड़क पर बैठकर प्रदर्शन किया। इसके चलते नरायनपुर जाने वाला मार्ग पूरी तरह बंद हो गया और आवागमन प्रभावित रहा। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि जिलाधिकारी या पुलिस अधीक्षक स्तर का कोई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दे। कोड़िया थाना प्रभारी शशि कुमार राणा ने बताया कि राम गणेश पिछले करीब तीन महीने से गोंडा मंडलीय कारागार में बंद था। पुलिस ने उसे जेल भेजा था। लखनऊ में करीब 10 दिन इलाज चलने के बाद उसकी मौत हुई उन्होंने बताया कि सोमवार को शव घर पहुंचने के बाद परिजन पर सड़क पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया गया। प्रदर्शन कर रहे परिजनों ने गोंडा जिला जेल प्रशासन का प्रयास किया जा रहा है। स्थिति को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

दिनदहाड़े पिस्टल दिखाकर बाइक सवार युवक का अपहरण

संवाददाता–देवरिया। जिले के महुआडीह थाना क्षेत्र के बलटिकरा चौराहे के समीप से सोमवार की दोपहर बुलेट सवार एक युवक का कार सवारों द्वारा पिस्टल दिखाकर अपहरण कर लेने का मामला प्रकाश में आया है। युवक के अपहरण की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस रुपये के लेनदेन समेत अन्य बिंदुओं पर भी जांच कर रही है। पुलिस जल्द ही घटना का पर्दाफाश कर देने का दावा कर रही है। पिपरा मदन गोपाल निवासी आयुष सिंह(30) पुत्र राजेश सिंह बुलेट बाइक से दोपहर बाद बलटिकरा चौराहे पर आया था। वह एक माल के समीप पहुंचा था कि अचानक एक लग्जरी कार आकर रुकी और अभी आयुष कुछ समझता, उसके पहले ही उसे पिस्टल दिखाकर अपनी गाड़ी में कार सवारों ने खींच लिया।

इसके बाद देवरिया की तरफ लेकर जाने लगे। इतना ही नहीं, उसका मोबाइल भी छीन कर वहीं कार सवारों ने फेंक दिया। दिन–दहाड़े युवक के अपहरण होता देख लोग दहशत में आ गए और तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही यूपी 112 की टीम के साथ ही महुआडीह थाने की पुलिस भी पहुंच गई और जगह–जगह जांच शुरू हो गई।सीओ संजय कुमार रेड्डी ने कहा कि एक युवक की कार सवारों द्वारा अपहरण करने की सूचना मिली है। प्रकरण की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। घटना के पीछे रुपये के लेनदेन की भी जांच की जा रही है।

कार की दो बाइकों से टक्कर, पति-पत्नी समेत तीन की मौत

संवाददाता–बलरामपुर। उतरौला–बलरामपुर मार्ग पर अक्सी बढ़हरा गांव के पास सोमवार को ईंट–भट्ठे के सामने तेज रफ्तार कार ने एक के बाद एक दो बाइकों को टक्कर मार दी। हादसे में एक बाइक पर सवार पचौआ निवासी पांचूराम (61) और उनकी पत्नी बड़का (58) की मौत हो गई। दूसरी बाइक पर पिता के साथ सवार कल्पना (27) की भी मौत हो गई। कल्पना के पिता प्यारे लाल (63) और कार चालक कामिल घायल हुए हैं। दोनों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस के अनुसार कार बलरामपुर की ओर से उतरौला की तरफ जा रही थी। अक्सी बढ़हरा गांव के पास कार की पहले उतरौला की ओर से आ रहे पांचू राम की बाइक से टक्कर हुई। टक्कर के बाद कार अनियंत्रित होकर मुड़ी। इसी दौरान सामने से दूसरी बाइक आ गई, जिस पर बासूपुर चायडीह निवासी प्यारे लाल अपनी बेटी कल्पना के साथ सवार थे। कार ने इस बाइक को भी टक्कर मार दी। दोनों बाइकों के कार की चपेट में आने के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई। आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को सड़क से हटाकर उपचार के लिए भेजने की व्यवस्था की। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। हादसे में पांचू राम और उनकी पत्नी बड़का की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरी बाइक पर सवार कोमल गंभीर रूप से घायल हुई। उपचार के दौरान उसकी भी मौत हो गई। प्यारे लाल और कार चालक कामिल को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से मना वार्षिकोत्सव

— श्रीमती कृष्ण कुमारी पाण्डेय गर्ल्स इंटर कालेज का वार्षिकोत्सव समारोह

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। श्रीमती कृष्ण कुमारी पाण्डेय गर्ल्स इंटर कालेज का वार्षिकोत्सव समारोह धूमधाम से सोमवार को आयोजित हुआ। छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर सभी का मनमोह लिया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि स्व. श्रीकृष्ण पाण्डेय और श्रीमती कृष्ण कुमारी पाण्डेय ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर बालिका शिक्षा के लिए विद्यालय की स्थापना किया था, जो आज फलीभूत हो रहा है।

प्रबंधक बिन्दवासिनी पाण्डेय, अध्यक्ष गणेश प्रसाद पाण्डेय, उप प्रबंधक डॉ. राकेश पाण्डेय, प्रबंधक एसकेपी अजय कुमार पाण्डेय ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रधानाचार्या डॉ. सुरभि सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। सदस्य कामाख्या पाण्डेय, शिवम पाण्डेय, अक्षत पाण्डेय, विनय पाण्डेय, अभय पाण्डेय, अंशुला ने विद्यालय संस्थापकों के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित किया। उप प्रबंधक डॉ. राकेश पाण्डेय ने विद्यालय के विकास यात्रा को बताया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, कृष्ण नृत्य, कजरी, शिव नृत्य, मराठी नृत्य व रामायण आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किया। छात्रा आकांक्षा कसौधन, प्रियंका गुप्ता, अंशू विश्वकर्मा, माही, बेबी गौतम, खुशी, रुचि, अनन्या, दुर्गावती आदि को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर प्रधानाचार्य एसकेपी योगेश शुक्ल, ग्रीश चौबे, शिक्षिका शिल्पी सिंह, अनीता पाण्डेय, अनीता सिंह, वंदना पाण्डेय, भारती तिवारी, संजय पाण्डेय, दिनेश मिश्र आदि उपस्थित रहे।

कांग्रेसियों ने फूंका मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला, कलेक्ट्रेट तक किया प्रदर्शन

संवाददाता–देवरिया। सोमवार को कांग्रेसियों ने प्रदर्शन कर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका। पुलिस ने पुतला दहन से रोकने का प्रयास किया, लेकिन कांग्रेस जनों ने चकमा देकर पुतला फूंक दिया।फूंके गये पुतले में मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ पीएम और गृह मंत्री का भी फोटो लगा था। प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर सोमवार को बड़ी संख्या में कांग्रेसी जिला कांग्रेस कार्यालय पर पहुंचे। दोपहर करीब 12 बजे कांग्रेस जिलाध्यक्ष विजय शेखर मल्ल रोशन, पूर्व जिलाध्यक्ष सुयश मणि त्रिपाठी, राघवेंद्र सिंह राकेश, धर्मेंद्र सिंह, रामजी गिरि के नेतृत्व में कांग्रेसी तख्ती, झंडा, बैनर के साथ सुभाष चौक से कचहरी चौराहे तक प्रदर्शन किया।

कांग्रेसियों के हाथों में लिये तख्ती पर मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ नारे लिखे गए थे। कचहरी चौराहे पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का फोटो लगा पुतला दहन किया। कांग्रेसियों के प्रदर्शन को देखते हुए सुभाष चौक से लेकर कचहरी चौराहे तक पुलिसकर्मी मुस्तैद रहे। उन्होंने पुतला छीनने और फूंकने से रोकने का प्रयास किया, लेकिन कांग्रेसियों ने चकमा देकर पुतला दहन कर दिया। इसमें मुकुंद भास्कर मणि, अरविंद शाही, जयदीप त्रिपाठी, शहर अध्यक्ष मिर्जा खुर्शीद अहमद, सुभाष राय, महेंद्र अंबेडकर, संजीव कुमार मिश्रा, जयप्रकाश पाल, धर्मेंद्र पांडे, अशोक गौड़, शहर उपाध्यक्ष अभिनव तिवारी, जवाहर बरनवाल आदि दर्जनों कांग्रेसी शामिल रहे।

सेवा सेतु शिविर में उमड़े ग्रामीण, पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ने पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती । सेवा संकल्प अभियान के तहत कप्तानगंज विकासखंड परिसर में आयोजित पांच दिवसीय सेवा सेतु शिविर में सोमवार को ग्रामीणों की भीड़ उमड़ी। विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए स्टालों पर ग्रामीणों ने पहुंचकर केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ली। इस दौरान पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण कर उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने की दिशा में पहल की गई।

कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष ब्रह्मदेव यादव 'देवा' मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विभिन्न विभागों के स्टालों का निरीक्षण किया और अधिकारियों–कर्मचारियों से योजनाओं की पात्रता, पंजीकरण प्रक्रिया तथा लाभ दिए जाने की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने शिविर में पहुंचे लाभार्थियों से संवाद कर उनकी समस्याएं भी जानीं।

मुख्य अतिथि ब्रह्मदेव यादव 'देवा' ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद और पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव में कोई पात्र व्यक्ति जनकल्याणकारी योजना के लाभ से वंचित न रहे, इसके लिए सेवा सेतु जैसे शिविर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

शिविर के दौरान गोद भराई कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। गर्भवती महिलाओं को आवश्यक सामग्री प्रदान करने के साथ उन्हें पौष्टिक एवं संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच तथा मातृ–शिशु स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में महिलाओं में उत्साह का माहौल रहा।

कार्यक्रम संयोजक गौरव त्रिपाठी ने कहा कि सेवा सेतु शिविर के माध्यम से विभिन्न विभागों को एक मंच पर लाकर ग्रामीण क्षेत्र के पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रत्येक पात्र लाभार्थी की समस्या को संबंधित विभाग तक पहुंचाकर उसके समाधान का प्रयास किया जा रहा है।

इस अवसर पर सहायक विकास अधिकारी सुशील कुमार श्रीवास्तव, नरेंद्र कुमार एवं कृषि विभाग के सहायक विकास अधिकारी अरुण कुमार सहित मुख्य सेविका कालिंदी पाल, प्रिया त्रिपाठी, प्रियंका सिंह, ग्राम पंचायत एवं ग्राम विकास अधिकारी तथा विकासखंड कार्यालय के कर्मचारी मौजूद रहे। सह–संयोजक नयन कुमार निषाद, रवि तिवारी, पिंटू सोनकर, दिग्विजय चौबे, रामबृक्ष गौतम, मनोज ओझा, हरेंद्र तिवारी एवं विशाल कुमार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, लाभार्थी एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

गोद भराई कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं को दी गई पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी

सीईसी के खिलाफ नारेबाजी करते निकले कांग्रेसी, तहसील गेट पर पुलिस ने रोका

संवाददाता–महराजगंज। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे व उनके कार्यकाल में लिए गए निर्णयों की समीक्षा कर उन्हें रद्द करने की मांग को लेकर सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क पर उतर आए। जिला कांग्रेस कार्यालय से जिलाध्यक्ष विजय सिंह एडवोकेट के नेतृत्व में निकला जुलूस नारेबाजी करते हुए सदर तहसील की ओर बढ़ा। कार्यकर्ताओं की भीड़ जैसे ही सदर तहसील गेट पर पहुंची, वहां पहले से मौजूद कोतवाली पुलिस ने उन्हें रोक लिया। इस पर कार्यकर्ता सड़क पर ही नारेबाजी करने लगे। काफी देर तक पुलिस व कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच रोकने को लेकर गहमागहमी बनी रही। इसके बाद कांग्रेसी नारेबाजी करते हुए आगे बढ़े व शाहू महाराज की प्रतिमा के पास पहुंचकर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सरकार के विरोधी में जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला फूंकने का भी प्रयास किया गया, जिसे पुलिस ने रोकते हुए पुतला अपने कब्जे में ले लिया।

विधायक वीरेंद्र चौधरी ने कहा कि राहुल गांधी वोट चोरी के सवाल को लेकर सड़क से संसद तक अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का यह अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते। प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक प्रसाद व पूर्व प्रदेश महासचिव त्रिभुवन नारायण मिश्र ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता इस मुद्दे को गांव–गांव तक ले जाएंगे। पूर्व जिलाध्यक्ष शिनकू चौधरी व शरद कुमार सिंह बबलू ने कहा कि वोट चोरी के सवाल पर कांग्रेस कार्यकर्ता लगातार आंदोलन करेंगे। वरिष्ठ नेता शरदेंदु पांडेय व सदामोहन उपाध्याय ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

नवर अली, गोपाल शाही, रामनारायण प्रसाद, चंद्रजीत भारती, डॉ. रामनारायण चौरसिया, राजू गुप्ता, पूर्णमासी यादव, नूर आलम, शिवपूजन, राजन शुक्ला, जयप्रकाश शाही, जयंती मौर्य, प्रमोद कुमार पांडेय, विधिनारायण वर्मा, डॉ. अजय द्विवेदी, नरेंद्र सिंह, संतोष यादव, अम्बरीश शाही, अमरजीत निषाद, चंदन तिवारी, अफजल अब्बासी, मोहम्मद शंकर वर्मा, नेहाल इराकी, समीउल्लाह खान, रेखा यादव, बिंदु देवी, जानकी देवी समेत आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शिक्षामित्रों ने निकाला विरोध मार्च, बीएसए कार्यालय से कलेक्ट्रेट तक प्रदर्शन, शिक्षक पद पर समायोजन समेत 6 मांगें

संवाददाता–देवरिया। विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ के बैनर तले सोमवार को जिलेभर के शिक्षामित्रों ने प्रदर्शन किया। सुबह 11 बजे शिक्षामित्र बीएसए कार्यालय पहुंचे और धरने पर बैठ गए। दोपहर करीब 2 बजे यहां से विरोध मार्च निकालते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। सुभाष चौक, जिलाधिकारी आवास, सिविल लाइन और कचहरी चौराहा होते हुए शिक्षामित्र कलेक्ट्रेट पहुंचे। करीब 3 बजे मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन मजिस्ट्रेट को सौंपा।

शिक्षामित्रों का कहना है कि प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों में वे पिछले 26 वर्षों से शिक्षण कार्य कर रहे हैं। संगठन के अनुसार, 3 जनवरी 2025 को शिक्षामित्रों की मूल विद्यालय वापसी और महिला शिक्षामित्रों को उनके पति के निवास स्थान की ग्राम पंचायत या वार्ड के विद्यालय में स्थानांतरण का शासनादेश जारी हुआ था। इसके बाद महानिदेशक स्कूल शिक्षा और निदेशक बेसिक शिक्षा की ओर से भी जनपद स्तर पर प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए गए। संघ का आरोप है कि लखनऊ और बाराबंकी को छोड़कर अधिकांश जिलों में अब तक समायोजन की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। शिक्षामित्रों ने कहा कि समायोजन प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण कई शिक्षामित्रों को घर से 80 से 90 किलोमीटर दूर विद्यालयों तक जाना पड़ रहा है। उन्होंने मूल विद्यालय वापसी की प्रक्रिया जल्द पूरी कराने की मांग की। महिला शिक्षामित्रों को उनके पति के निवास स्थान की ग्राम पंचायत या वार्ड के विद्यालय में स्थानांतरण का लाभ देने की भी मांग की गई।

शिक्षामित्रों ने टीईटी उत्तीर्ण और एनसीटीई के मानकों को पूरा करने वाले करीब 75 हजार शिक्षामित्रों को सुपर टीईटी से छूट देने की मांग की। इसके साथ ही शिक्षक पद पर समायोजन या नियमितीकरण और विशेष टीईटी परीक्षा में शामिल करने की मांग रखी गई। सेवानिवृत्ति की आयु 60 से बढ़ाकर 62 वर्ष करने और सेवानिवृत्ति के समय 20 लाख रुपये की एकमुश्त आर्थिक सहायता देने की मांग की। संगठन ने शिक्षामित्रों को 11 के बजाय 12 माह का मानदेय देने की मांग की। साथ ही सेवानिवृत्ति की आयु 60 से बढ़ाकर 62 वर्ष करने और सेवानिवृत्ति के समय 20 लाख रुपये की एकमुश्त आर्थिक सहायता देने की मांग भी ज्ञापन में शामिल की गई।

शिक्षामित्रों ने मुख्यमंत्री से मूल विद्यालय वापसी और स्थानांतरण की प्रक्रिया जल्द पूरी कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देने की मांग की। प्रदर्शन में जिलाध्यक्ष मनोज सिंह चंदेल समेत संगठन के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में शिक्षामित्र शामिल रहे।

अपनी राजनीतिक कमजोरियों पर आत्ममंथन करे कांग्रेस –जिपं अध्यक्ष

संवाददाता–महराजगंज। जिला पंचायत अध्यक्ष रविकांत पटेल ने कहा कि कांग्रेस व विपक्षी गठबंधन की चुनावी हार के लिए संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाने की बजाय अपनी राजनीतिक व संगठनात्मक कमजोरियों पर आत्ममंथन करना चाहिए। चुनावी हार का ठीकरा संवैधानिक संस्थाओं पर फोड़कर जनता को भ्रमित करने की कोशिश लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं है। सोमवार को वे मऊपाकड़ में मीडियो से बातचीत में एसआईआर को लेकर निर्वाचन आयोग की ओर से जारी स्पष्टीकरण का हवाला दिया। रविकांत पटेल ने कहा कि लगातार चुनावी हार के बाद कांग्रेस निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रही है। इसके बजाय पार्टी को अपनी रणनीति व संगठन की स्थिति की समीक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 26 सितंबर को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार व निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू व विवेक जोशी की बैठक के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में एसआईआर समेत आयोग के प्रमुख फैसलों पर स्थिति स्पष्ट की गई। आयोग के अनुसार 24 जून 2025 के मूल आदेश से लेकर विभिन्न चरणों की समय–सारिणी तक फैसले आयोग की सहमति से लिए गए।उन्होंने कहा कि कैबिनेट सचिव को भेजे गए पत्र को एसआईआर से जोड़कर भ्रम फैलाने का प्रयास भी तथ्यहीन है। आयोग के मुताबिक यह पत्र एसआईआर या किसी नीतिगत फैसले से संबंधित नहीं, बल्कि प्रतिनियुक्ति अधिकारी की प्रशासनिक कार्यप्रणाली से जुड़े आंतरिक मामले का था। फार्म–6 को लेकर उठे सवालों पर भी उन्होंने आयोग के स्पष्टीकरण का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि पात्र मतदाताओं तक पहुंच बनाने के लिए बीएलओ के माध्यम से घर–घर फार्म उपलब्ध कराने समेत व्यवस्थाएं की जा रही हैं। उन्होंने कांग्रेस से संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा का सम्मान करने की अपील की। पत्रकार वार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष संजय पांडेय, सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया, जिला महामंत्री बबलू यादव व राजेंद्र पटेल मौजूद रहे।

खेतों में जमा हुआ बारिश का पानी, किसानों ने किया विरोध प्रदर्शन

संवाददाता–महराजगंज। निचलौल ब्लॉक के ग्राम सभा बैदौली में लगातार बारिश के बाद खेतों में जलभराव हो गया है। खेतों में पानी जमा होने के कारण किसानों की फसलें डूबने के साथ–साथ गिर गई हैं, जिससे फसल बर्बाद होने का खतरा बढ़ गया है। जलनिकासी की समस्या से परेशान किसानों ने विरोध प्रदर्शन कर समस्या के समाधान के लिए आवाज बुलंद की। किसान में राधे कुशवाहा, विश्वनाथ, सत्यनारायण कुशवाहा, रंजीत, रामनिवास, सिंहासन कुशवाहा, छोटेलाल थापा, रामप्रसाद कुशवाहा और मुनेश्वर आदि का कहना रहा कि पहले खेतों के आसपास सिंचाई विभाग के नाले और जलनिकासी के रास्ते मौजूद थे, जिनसे बारिश का पानी आसानी से बाहर निकल जाता था। इनका आरोप है कि कुछ स्थानों पर नालों की जमीन को जोतकर खेत में शामिल कर लिया गया, जबकि कुछ जगह नालों को मिट्टी डालकर बंद कर दिया गया है। इसके कारण बारिश का पानी खेत से बाहर नहीं निकल पा रहा है।जलभराव के चलते धान समेत अन्य फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। किसानों का कहना है कि अगर जल्द पानी की निकासी नहीं हुई तो खेत में खड़ी फसल सड़कर खराब हो सकती है और उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। किसानों ने डीएम से मांग की है कि मौके पर टीम भेजकर स्थिति का जायजा लिया जाए और नालों की जांच कर उन्हें सुरक्षित कराया जाए। जहां अतिक्रमण या अवरोध है, उसे हटाकर तत्काल जलनिकासी की व्यवस्था कराई जाए। समय रहते खेतों से पानी निकाल दिया जाए तो काफी हद तक फसल को बर्बाद होने से बचाया जा सकता है।

गुरुपर्व महोत्सव में गूंजी भागवत कथा की अमृतधारा, भक्ति में डूबे श्रद्धालु

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। रानोपाली स्थित श्री उदासीन संगत ऋषि आश्रम में रविवार को श्रीगुरुपर्व महामहोत्सव का श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के बीच शुभारंभ हुआ। समाधिस्थ सिद्ध महापुरुषों की पुण्यस्मृति में आयोजित महोत्सव के प्रथम दिन श्रीमद्भागवत कथा का विधिवत शुभारंभ हुआ। कथा व्यास पूज्य डॉ. स्वामी शिवचंद्र दास जी महाराज, परमाध्यक्ष अखिल भारतीय रामतीर्थ मिशन देहरादून ने श्रीमद्भागवत के महात्म्य का वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को भक्ति, गुरुसेवा और सनातन परंपराओं का संदेश दिया। कथा की अमृतवाणी सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।महोत्सव के दौरान आश्रम परिसर में संतों के आशीर्वचन, श्रीमद्भागवत कथा, अखंड रामायण, सांस्कृतिक कार्यक्रम और वृहद भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। धार्मिक अनुष्ठानों के बीच आश्रम का वातावरण भक्तिमय बना रहा। गुरुपर्व के आयोजक महंत डॉ. स्वामी भरत दास महाराज ने कहा कि सनातन परंपरा में पितृपक्ष की अवधि पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता और श्रद्धा व्यक्त करने का अवसर है। इसी अवधि में गुरु पर्व के माध्यम से पूर्वाचार्यों और समाधिस्थ संतों का स्मरण किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह परंपरा पूर्वाचार्यों द्वारा स्थापित की गई है, जिसे निरंतर आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने श्रद्धालुओं से गुरुदेव के चरणों में श्रद्धा अर्पित करने के साथ गुरुसेवा और संत परंपरा से निरंतर जुड़े रहने का आह्वान किया।उन्होंने बताया कि तीन अक्टूबर को श्रीमद्भागवत कथा की पूर्णाहुति और संत भंडारा होगा। चार अक्टूबर को श्रीरामचरितमानस के अखंड पाठ का शुभारंभ किया जाएगा। पांच अक्टूबर को मानस पाठ की पूर्णाहुति के बाद सुबह 10 बजे श्रीधर्म ध्वजा पूजन होगा। इसके उपरांत सुबह 11 बजे श्री नारायण संस्कृत महाविद्यालय भवन का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा किया जाना प्रस्तावित है। इसी अवसर पर वृहद भंडारे का भी आयोजन होगा।

एआई उत्तर दे सकता है, सवाल करना अच्छी किताब ही सिखाएगी -सीएम योगी

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सवालों के जवाब दे सकता है और काम आसान कर सकता है, लेकिन सवाल करना अच्छी किताब ही सिखाएगी। तकनीक का उपयोग करें, लेकिन उस पर पूरी तरह निर्भर न हों। अच्छी पुस्तकें और समाचार पत्र पढ़ें और नई चीजों को जानने की जिज्ञासा बनाए रखें। मुख्यमंत्री योगी मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में एक मीडिया हाउस की ओर से आयोजित बाल मेला सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विज्ञान मॉडल, चित्रकला, निबंध समेत विभिन्न प्रतियोगिताओं के करीब 70 विजेता छात्र–छात्राओं को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में करीब 500 छात्र–छात्राओं ने हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि साढ़े नौ वर्ष पहले उत्तर प्रदेश बदनाम प्रदेश था। यूपी के नाम से लोग चौंकते थे और युवाओं के सामने पहचान का संकट था। अकेले यूपी पुलिस में दो लाख से अधिक पद खाली थे। सरकार बनने के बाद भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया और प्रशिक्षण क्षमता बढ़ाई गई।

उन्होंने कहा कि साढ़े नौ वर्षों में विभिन्न विभागों में साढ़े नौ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई। अकेले यूपी पुलिस में 2.30 लाख से अधिक भर्तियां हुई हैं। इन भर्तियों की पारदर्शिता पर कोई सवाल नहीं उठा सकता। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 से पहले हर दूसरे दिन दंगे होते थे और महीनों कर्फ्यू रहता था। आज उत्तर प्रदेश कर्फ्यू, दंगा और उपद्रव से मुक्त सुरक्षित प्रदेश है। सामर्थ्य पहले भी थी, लेकिन करने की इच्छाशक्ति नहीं थी। आज प्रयास हो रहा है तो परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कभी उत्तर प्रदेश देश के पिछड़े राज्यों में गिना जाता था। आज यह शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था और प्रति व्यक्ति आय तीन गुना हुई है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में केवल 120 स्टार्टअप थे। आज इनकी संख्या 24 हजार से अधिक है। अब यूपी का युवा केवल नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि स्टार्टअप के जरिए दूसरों को नौकरी देने वाला भी बन रहा है। गोरखपुर के टेराकोटा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट से कारीगरों को बाजार मिला है। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में 2,400 से अधिक प्रदर्शक हिस्सा ले रहे हैं और 90 देशों से 650 से अधिक विदेशी खरीदार पहुंचे हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सरकार खेलों में करियर बनाने वाले युवाओं को भी सहयोग दे रही है। ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले प्रदेश के खिलाड़ी को छह करोड़ रुपये के साथ सरकारी नौकरी दी जाती है। अब तक 550 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है और अगले सप्ताह 500 से अधिक खिलाड़ियों को फिर नौकरी दी जाएगी। उन्होंने हॉकी खिलाड़ी ललित उपाध्याय और राजकुमार पाल का उदाहरण देते हुए कहा कि पदक जीतने के बाद दोनों को सीधे पुलिस उपाधीक्षक बनाया गया।

मुख्यमंत्री योगी ने अभिभावकों से बच्चों पर अंकों का अनावश्यक दबाव नहीं बनाने को कहा। बोले कि अंकों के पीछे उतना ही भागें, जितना मानसिक संतुष्टि दे सके। दबाव ऐसा नहीं होना चाहिए कि बच्चे का खेलना, सोना और खाना–पीना प्रभावित हो जाए। उन्होंने स्कूल–कॉलेजों में समाचार पत्र मंगवाने पर जोर दिया। कहा कि हिंदी और अंग्रेजी के समाचार पत्र पढ़ने से भाषा और व्याकरण सुधारने के साथ नई चीजों को जानने का अवसर मिलता है। मुख्यमंत्री योगी ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का उदाहरण देते हुए कहा कि वह वायुसेना के फाइटर पायलट बनना चाहते थे, लेकिन सफल नहीं हुए। उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और आगे चलकर मिसाइल मैन तथा देश के राष्ट्रपति बने। कवि सोहनलाल द्विवेदी की रचना कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती का उल्लेख करते हुए बच्चों से लगातार प्रयास करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने बच्चों से अपने शहर की विरासत को जानने को भी कहा। गोरखनाथ मंदिर, गीता प्रेस, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट और रामगढ़ताल का उल्लेख करते हुए कहा कि बच्चे वहां की व्यवस्था और इतिहास को समझें। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सम्मान पाने वाले बच्चों में बेटियों की संख्या अधिक है। बेटियों को अवसर मिले तो वे अपनी प्रतिभा के बल पर सब कुछ कर सकती हैं। उन्होंने सांसद रवि किशन से बच्चों को शूटिंग स्थल पर ले जाकर फिल्म निर्माण की प्रक्रिया दिखाने को भी कहा। सांसद रवि किशन ने कहा कि सम्मान के लिए ऐसे बच्चों को चुना गया है, जिन्होंने कुछ अलग किया है। गोरखपुर में बच्चों को आगे बढ़ने के लिए हर तरह की सुविधा उपलब्ध है।

कार्यक्रम में सांसद रवि किशन शुक्ला, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अनुपमा कौशिक शर्मा समेत शिक्षक और छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

तारपीन तेल के गोदाम में लगी भीषण आग, लाखों का नुकसान

संवाददाता–गोरखपुर। तिवारीपुर थाना क्षेत्र के मोहनलालपुर में सोमवार शाम तारपीन के तेल के गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। ज्वलनशील पदार्थ होने के कारण आग तेजी से फैलने लगी और गोदाम से उठती ऊंची लपटें व धुएं का गुबार दूर तक दिखाई देने लगा। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने में जुट गईं। एहतियातन आसपास के इलाके में भी सतर्कता बढ़ा दी गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक शाम के समय अचानक गोदाम से धुआं उठता दिखाई दिया। कुछ ही देर में आग की लपटें तेज हो गईं। तारपीन का तेल ज्वलनशील होने के कारण आग बुझाने में दमकल कर्मियों को विशेष सावधानी बरतनी पड़ी। आग की सूचना पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी मौके पर पहुंच गए। भीड़ बढ़ने पर पुलिस ने लोगों को घटनास्थल से दूर रखा। ज्वलनशील पदार्थ के कारण किसी अन्य स्थान पर आग फैलने या किसी अतिरिक्त हादसे की आशंका को देखते हुए पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने मौके पर सुरक्षा व्यवस्था संभाली। जिला प्रशासन और पुलिस के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने दमकल टीम से आग की स्थिति और बचाव कार्य की जानकारी ली। आसपास के क्षेत्र में आग फैलने की आशंका को देखते हुए आवश्यक सावधानी बरती गई। फिलहाल आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस और संबंधित विभाग की टीमें आग लगने के कारणों की जांच कर रही हैं। आग पूरी तरह बुझने के बाद गोदाम में हुए नुकसान का आकलन किया जाएगा। गोदाम में कितनी मात्रा में तारपीन का तेल और अन्य सामान रखा था, इसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस से छीना–झपटी के बीच कांग्रेस ने फूंका ज्ञानेश कुमार का पुतला

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सोमवार को गोरखपुर में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन उस समय तीखा हो गया, जब पुतला दहन रोकने पहुंची पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच छीना–झपटी और नोकझोंक शुरू हो गई। पुलिस के रोकने के बावजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंक दिया। बिस्मिल पार्क से जिलाधिकारी कार्यालय तक निकले विरोध मार्च में कार्यकर्ताओं ने 'वोट चोरी बंद करो' और 'चुनाव चोरी नहीं चलेगी' के नारे लगाते हुए एसआईआर के जरिए मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं के खिलाफ आवाज बुलंद की।

जिला अध्यक्ष राजेश कुमार तिवारी और महानगर अध्यक्ष रवि प्रताप निषाद की अगुवाई में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता बिस्मिल पार्क पर जुटे। यहां से जुलूस जिलाधिकारी कार्यालय की ओर बढ़ा। रास्ते में पुलिस ने पुतला दहन रोकने की कोशिश की तो कार्यकर्ताओं से तीखी नोक–झोंक हुई। कुछ देर तक पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच पुतले को लेकर छीना–झपटी चलती रही।

सिवान के मासूम को पटना की जगह गोरखपुर लाया एंबुलेंस चालक, निजी अस्पताल में मौत

संवाददाता–गोरखपुर। स्पोर्ट्स कॉलेज चौराहा स्थित निजी अस्पताल में दो दिन इलाज के दौरान पांच वर्षीय मासूम की सोमवार सुबह मौत हो गई। बच्चे की मौत की खबर मिलते ही परिजन आक्रोशित हो गए और अस्पताल में हंगामा करने लगे। परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने समझाकर उन्हें शांत कराया। इसके बाद परिजन बिना कार्रवाई के शव लेकर गांव चले गए। जानकारी के मुताबिक, बिहार के सिवान जिले के पचरुखी गांव निवासी पांच वर्षीय मासूम प्रिंस कुमार शनिवार सुबह घर के पास खेल रहा था। इसी दौरान एक बाइक की चपेट में आ गया। हादसे में उसके सिर में गंभीर चोट आई। परिजन उसे सिवान जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे पटना मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। आरोप है कि पटना जाने के लिए वे बच्चे को एंबुलेंस से लेकर निकले थे। रास्ते में एंबुलेंस चालक ने उन्हें बताया कि पटना से बेहतर इलाज गोरखपुर में हो सकता है। आरोप है कि चालक बच्चे को पटना मेडिकल कॉलेज ले जाने के बजाय गोरखपुर ले आया और स्पोर्ट्स कॉलेज चौराहा स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया। अस्पताल में भर्ती कराने के बाद इलाज, ऑपरेशन और दवाओं के नाम पर दो दिन में करीब 1.25 लाख रुपये ले लिए । इसके बावजूद सोमवार सुबह करीब सात बजे इलाज के दौरान मासूम की मौत हो गई। आरोप हैं मासूम की मौत के बाद भी अस्पताल प्रशासन ने इलाज के नाम पर रुपये की मांग कर रहा था।

किसी तरह परिजन आईसीयू में जाकर देखा तो मासूम की पहले ही मौत हो गई थी, जिसके बाद परिजनों ने अस्पताल में करीब आधे घंटे तक हंगामा किया। उनका आरोप था कि इलाज में लापरवाही के कारण मासूम की जान गई। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाकर शांत कराया। इसके बाद परिजन बच्चे का शव लेकर अपने गांव चले गए।

चिलुआताल थाना प्रभारी सूरज सिंह ने बताया कि मामले में कोई सूचना नहीं हैं। परिजनों की ओर से प्रार्थना पत्र मिलता है तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

दोस्तों के विवाद में युवक को गोली मारी, तीन हिरासत में

संवादादाता–गोरखपुर। बातचीत के बहाने युवक को माया बाजार चौराहे पर बुलाने के बाद साथियों ने गोली मार दी। यह घटना रविवार की रात 10 बजे की है। गोली चलने की आवाज के बाद चौराहे पर अफरा–तफरी मच गई। आसपास के लोग घायल नमन को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बीआरडी मेडिकल कालेज के नेहरू अस्पताल रेफर कर दिया गया। चिकित्सकों के मुताबिक उसकी स्थिति खतरे से बाहर है। दो नामजद व एक अज्ञात को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। मुख्य आरोपित की तलाश में संभावित ठिकानों पर छापेमारी चल रही है। माया बाजार निवासी 29 वर्षीय नमन गुप्ता की मां रीता देवी ने बक्शीपुर काली मंदिर के पास रहने वाले सचिन्द्र कुशवाहा उर्फ शनि, रीशू जायसवाल, राहुल गुप्ता और उनके अज्ञात साथियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। उनका कहना है कि आरोपितों ने नमन को बातचीत करने के लिए चौराहे पर बुलाया था। वहां बातचीत के दौरान ही उसे गोली मार दी गई। गोली लगने के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों से पूछताछ की।

दूध लेने निकले 80 वर्षीय वृद्ध पर गिरी जर्जर दीवार,दबकर मौत

संवाददाता–गोरखपुर। पीपीगंज हिंदुस्तान संवाद पीपीगंज थाना क्षेत्र के ग्राम सभा राजाबारी में सोमवार की सुबह एक दर्दनाक हादसे में दूध लेने घर से निकले 80 वर्षीय वृद्ध की जर्जर कच्चे मकान की दीवार के नीचे दबकर मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही गांव में मातम पसर गया और मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। राजाबारी गांव निवासी पुरुषोत्तम शर्मा 80 वर्ष सोमवार सुबह करीब आठ बजे घर से गांव में दूध लेने के लिए निकले थे।

बताया जाता है कि गांव के रास्ते में नाजीर शर्मा का जर्जर कच्चा मकान स्थित है। पुरुषोत्तम शर्मा जैसे ही मकान के सामने से गुजर रहे थे अचानक मकान की कच्ची दीवार भरभराकर उनके ऊपर गिर गई। दीवार के मलबे में दबने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे।

लोगों ने आनन फानन में दीवार की मिट्टी और मलबा हटाकर वृद्ध को बाहर निकाला लेकिन तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं। घटना की सूचना मिलने पर पीपीगंज पुलिस और तहसील प्रशासन की टीम भी मौके पर पहुंची। प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने परिजनों से शव का पोस्टमार्टम कराने को कहा, लेकिन परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। इसके बाद परिजन शव को अंतिम संस्कार के लिए ले गए और राप्ती नदी के सिसई घाट पर वृद्ध का दाह संस्कार कर दिया। वृद्ध की अचानक हुई मौत से परिवार में कोहराम मचा है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (न्यायिक) बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती

अपील सं0–133/2026

कं0 वाद सं0–C20261700000133

इनायतुल्लाह

बनाम

नई मुल्लाह फारूकी आदि

1. नई मुल्लाह फारूकी पुत्र फसीउल्लाह फारूकी निवासी मौजा तुरकहिया निकट जामा मस्जिद तप्पा देवरांव परगना बस्ती पूरव तहसील सदर जिला बस्ती

–रेस्पान्डेन्ट प्रथम पक्ष

2. वसीउल्लाह फारूकी पुत्र फसीउल्लाह फारूकी निवासी मौजा तुरकहिया निकट जामा मस्जिद तप्पा देवरांव परगना बस्ती पूरव तहसील सदर जिला बस्ती

–रेस्पान्डेन्ट द्वितीय पक्ष

3. मन्सूर अहमद पुत्र मोहम्मद मुस्तकीम 4. मकबूल अहमद पुत्र मोहम्मद मुस्तकीम 5. श्रीमती खुशवुन्निशा पत्नी वारिस अली 6. श्रीमती सावरा खातून पत्नी अख्तर 7. शक्ति सिंह पुत्र धनपत सिंह 8. प्रशान्त सिंह पुत्र धनपत सिंह 9. श्रीमती गुलमवास पत्नी धनपत सिंह 10. मुहम्मद मुस्तकीमद पुत्र रसोई उर्फ रोशई 11. प्रमोद कुमार पुत्र राजेश प्रसाद 12. संदीप कुमार पुत्र राजेश प्रसाद 13. जीतेन्द्र कुमार पुत्र राजेश प्रसाद 14. मनोज कुमार पुत्र गंगाराम 15. अफरोज अहमद पुत्र मोहम्मद सईद 16. उर्मिला सिंह पत्नी वीरेन्द्र सिंह

–रेस्पान्डेन्ट तृतीय पक्ष

साकिनान मौजा घरसोहिया तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 07–10–2026

अपील बनराजी फैसला अदालत एस0डी0ओ0 न्यायिक मुकाम बस्ती मयरिखा 31 महीना 12 सन् 2025 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 07 महीना 10 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 10 माह 09 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अदालत– श्रीमान अपर जिला जज /विशेष न्यायाधीश ई0सी0 एक्ट महोदय बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्ण सिविल अपील सं0–239/2025

देवदत्त तिवारी आदि

बनाम

राज्य उत्तर प्रदेश

1. राज्य उत्तर प्रदेश द्वारा कलेक्टर बस्ती 2. उप जिलाधिकारी तहसील कार्यालय हर्रैया जिला बस्ती 3. तहसील हर्रैया तहसील कार्यालय हर्रैया जिला बस्ती 4. ग्राम पंचायत द्वारा प्रधान सोनपती निवासी ग्राम पचौहा तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 5. भूमि प्रबन्धक समिति पचौहा द्वारा अध्यक्ष सोनपती निवासी ग्राम पचौहा तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

(रेस्पांडेन्टियान)

तारीख पेशी 05–10–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 05 महीना 10 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0– /

धारा 116 उ0प्र0रा0सं0–2006

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय भानपुर बस्ती जिला–बस्ती

ममता राजेश आदि

बनाम

अवधेश कुमार आदि

1. अवधेश कुमार 2. अजय कुमार पुत्रगण अम्बिका प्रसाद 3. विन्द्रवती पत्नी अम्बिका प्रसाद 4. जैकरन पुत्र सरजू 5. राम सुरेमन 6. रामसूरत पुत्रगण बैजू 7. रामराज पुत्र महादेव 8. तुलसीराम चौधरी पुत्र हनुमंत प्रसाद 9. शान्ती पत्नी हनुमंत प्रसाद 10. रवीन्द्र कुमार 11. अखिलेश कुमार 12. अशोक कुमार 13. अविनाश कुमार पुत्रगण रामपियारे 14. सीताराम पुत्र ओरी 15. कामता 16. उमा पुत्रगण भरोस 17. पारसनाथ 18. अमरनाथ 19. विजयनाथ पुत्रगण दुलारे 20. भगवानद दत्त 21 रामसुरेश पुत्रगण रामलौट 22. सोना देवी पुत्री रामलौट 23. रामरती पत्नी रामलौट 24. मुनिराम पुत्र रामअचल 25. प्रेमचन्द्र 26. सुभाष चन्द्र पुत्रगण रामलखन 27. धूपा पत्नी रामलखन 28. प्रदीप कुमार पुत्र राजमनि 29. मिथलेश देवी पत्नी राजमनि 30. बाबूराम पुत्र रामअचल 31. राजकुमार 32 शिवकुमार पुत्रगण रामनरेश 33. ज्ञानदास पुत्र सीताराम 34. शिवशंकर पुत्र बरसाती 35. राजमती पत्नी बरसाती 36. राकेश कुमार 37. अवधेश कुमार 38. वृजेश कुमार पुत्रगण बनवारी 39. भानमती पत्नी बनवारी निवासीगण ग्राम देईपारखुर्द तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती 40. विजय बहादुर 41. रामबहादुर 42. शिवबहादुर 43 विनोदकुमार पुत्रगण अष्टभुजा प्रसाद 44. रमेश चन्द्र 45. श्रवण कुमार 46. शिव कुमार पुत्रगण वागेश्वरी 47. नवरतन लाल 48. अजय कुमार पुत्रगण जैकरन 49 परमात्मा प्रसाद 50. जनार्दन प्रसाद पुत्रगण महीप नरायन निवासीगण सल्टौआ गोपालपुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती 51. ओम प्रकाश 52. विनोद कुमार पुत्रगण केदारनाथ 53. रामजी 54. राजन प्रसाद 55. लालजी पुत्रगण वंशराज निवासीगण ग्राम ककरहिया तप्पा परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

56. अ0भू0प्र0स0 ग्राम पंचायत देईपार बुजुर्ग तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 16–10–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 16 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया। – द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान ग्राम न्यायालय हर्रैया बस्ती जिला–बस्ती

मूलवाद सं0–606/2023

सन्तराम वर्मा आदि

बनाम

विजय कुमार वर्मा आदि

1. विजय कुमार वर्मा उम्र 30 साल पुत्र गंगाराम साकिन देईडीहा खुर्द तप्पा ऊँजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

–प्रतिवादी प्रथम वर्ग

2. शिव कुमार उम्र 48 साल 3. राज कुमार उम्र 45 वर्ष 4. अरूण कुमार उम्र 28 साल पुत्रगण स्व0 गंगाराम 5. श्रीमती श्यामा देवी उम्र 68 साल पत्नी स्व0 गंगाराम साकिन देईडीहा खुर्द तप्पा ऊँजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 03–10–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 03 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)

अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्ण वाद सं0– 193/2024

उर्मिला सिंह आदि

बनाम

रमेश सिंह आदि

1. रमेश सिंह आयु लगभग 40 वर्ष 2. दिनेश सिंह आयु लगभग 35 वर्ष पुत्रगण राम दुलारे सिंह साकिनान मौजा ऊँजी मुस्तहकम तप्पा ऊजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 03–11–2026

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 03 माह 11 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

मूलवाद सं0–441/2024

शबनम आदि

बनाम

प्रमिला देवी आदि

1. प्रमिला देवी पत्नी मिथुन उम्र 30 वर्ष हाल मुकाम गनेशपुर तप्पा गनेशपुर तहसील व जिला बस्ती 2. हृदयराम उम्र 41 वर्ष पुत्र लौटू साकिन सरैया महोबवा तप्पा हरदी 3. दल्लू उम्र 50 वर्ष पुत्र फेरई 4. राम प्रसाद उम्र 45 वर्ष पुत्र पियारे साकिन अधेड़ी तप्पा हरदी

–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

5. निकहत फातिमा उम्र 60 वर्ष पत्नी मु0 हुसेन 6. सनो उम्र 50 वर्ष सिम्मी उम्र 44 वर्ष पुत्री स्व0 मोहम्मद हुसेन 7. शाहिद उम्र 65 वर्ष कथित पुत्र हामिद हुसेन हाल मुकाम गनेशपुर तप्पा गनेशपुर तहसील व जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 24–11–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 24 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (न्यायिक) बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती

अपील सं0–56/2026

कं0 वाद सं0–C20261700000056

वसीउल्लाह फारूकी

बनाम

नई मुल्लाह फारूकी आदि

1. नई मुल्लाह फारूकी पुत्र फसीउल्लाह फारूकी निवासी मौजा तुरकहिया निकट जामा मस्जिद तप्पा देवरांव परगना बस्ती पूरव तहसील सदर जिला बस्ती

–रेस्पान्डेन्ट प्रथम पक्ष

2. इनायतुल्लाह फारूकी पुत्र फसीउल्लाह फारूकी निवासी मौजा तुरकहिया निकट जामा मस्जिद तप्पा देवरांव परगना बस्ती पूरव तहसील सदर जिला बस्ती

–रेस्पान्डेन्ट द्वितीय पक्ष

3. श्रीमती खुशवुन्निशा पत्नी वारिस अली 4. श्रीमती सावरा खातून पत्नी अख्तर 5. शक्ति सिंह पुत्र धनपत सिंह 6. प्रशान्त सिंह पुत्र धनपत सिंह 7. श्रीमती गुलमवास पत्नी धनपत सिंह 8. मुहम्मद मुस्तकीमद पुत्र रसोई उर्फ रोशई 9. प्रमोद कुमार पुत्र राजेश प्रसाद 10. संदीप कुमार पुत्र राजेश प्रसाद 11. जीतेन्द्र कुमार पुत्र राजेश प्रसाद 12. मनोज कुमार पुत्र गंगाराम 13. अफरोज अहमद पुत्र मोहम्मद सईद 14. उर्मिला सिंह पत्नी वीरेन्द्र सिंह

–रेस्पान्डेन्ट तृतीय पक्ष

साकिनान मौजा घरसोहिया तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 07–10–2026

अपील बनराजी फैसला अदालत एस0डी0ओ0 न्यायिक मुकाम बस्ती मयरिखा 31 महीना 12 सन् 2025 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 07 महीना 10 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 10 माह 09 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)

अदालत–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

मु0नं0–568/2002

मुतफरिका नम्बर 60/2026

रामेश्वरनाथ

बनाम

कल्पनाथ चौधरी

औलाद अली पुत्र ऐनुल साकिन मेहदावल टोला केवटलिया तप्पा मेंहदावल परगना मगहर पूरव तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर

तारीख पेशी 26–11–2026

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 26 माह 11 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463

ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com